RNI No. MPHIN/2022/83759

दैनिक
उज्जवल संदेश
राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

सुविचार
हर असंभव कार्य करने का एक ही तरीका है, कड़ी मेहनत।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र | भोपाल, शुक्रवार 17 अप्रैल, 2026 | वर्ष-04 | अंक-133 | पेज-08 | मूल्य-1.00/-

आदि शंकराचार्य का दर्शन भारतीय संस्कृति का बना आधार

मुख्यमंत्री बोले-धर्म और आध्यात्मिक एकता के लिए समर्पित रहे आदि शंकराचार्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अद्वैत ज्ञान के सूर्योदय के केन्द्र ओंकारेश्वर की चेतना की अनुभूति आज सबको हो रही है। ज्ञान और ध्यान की धरती मध्यप्रदेश ने ऐतिहासिक रूप से धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया है। हर युग में इसके प्रमाण विद्यमान हैं। श्रीरामचन्द्र जी वनवास मिलने पर मंदाकिनी माता के किनारे चित्रकूट के धाम पधारें और प्रभु श्रीराम का आगे का जीवन मानव मात्र के लिए पूजनीय हो गया, समाज ने रामराज्य का अनुभव प्राप्त किया। भगवान श्रीराम ने संस्कारों, व्यवहारगत मूल्यों, परस्पर संबंधों सहित शासन के ऐसे सूत्र प्रदान किए जो आज भी महत्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार श्रीकृष्ण, कंस वध के बाद शिक्षा ग्रहण करने उज्जयिनी स्थित सांदीपनि आश्रम पधारें। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मवाद का संदेश दिया, जो वर्तमान में भी प्रासंगिक है। सनातन काल में कालड़ी केरल से चले 8 वर्षीय बालक शंकर ओंकारेश्वर पधारे, जहां परम पूज्य

गुरू गोविंदपाद जी के आशीर्वाद से आदि शंकराचार्य बनकर सनातन धर्म की धारा को अविरल रूप से बहाने का आधार प्रदान किया। आदि शंकराचार्य का दर्शन भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक एकता का आधार बना। हमारी सनातन विरासत, शास्त्र और आध्यात्मिक परम्पराएं यदि आज जीवित एवं जागृत हैं तो यह आदिगुरू शंकराचार्य के प्रयास और आशीर्वाद से ही संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आचार्य शंकराचार्य जी की जयंती के अवसर पर ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में आयोजित 5 दिवसीय प्रकटोत्सव के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में श्री द्वारका शारदा पीठ के जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती, विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती सहित वरिष्ठ संतवृंद उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हरिवंश

- देश में पहली बार मनोनीत सदस्य को मिला यह पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्विरोध चुना गया हैं। विपक्ष की ओर से कोई नाम नहीं आया था। पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले। सदन के नेता जेपी नड्डा ने पहला प्रस्ताव रखा, जबकि दूसरा प्रस्ताव नितिन नवीन ने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार उपसभापति चुना जाना इस बात

का प्रमाण है कि सदन को आप पर गहरा भरोसा है। बीते समय में आपके अनुभव का सदन को लाभ मिला है। आपने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हुआ था। उनकी पार्टी छ्ष्ठ ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया। पूर्व ष्टछ्ढ्ढ रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए छ्ष्ठ( ) के हरिवंश को चुना गया। वे 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे। दरअसल, राज्यसभा में 12 सदस्य मनोनीत होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति तय करते हैं। इन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा में विशेष योगदान के आधार पर चुना जाता है।

किसी पर निर्भर नहीं भारत, खुद तय करता है अपनी नीति

- अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी रूस से तेल की खरीद जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने हाल ही में रूसी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों को एक बार फिर लागू कर दिया है। इसके साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिन की मिली छूट खत्म हो गई है। हालांकि भारत इसके बाद भी रूस से कच्चे तेल और एलपीजी की खरीद जारी

रखेगा। भारत सरकार से जुड़े सूत्रों ने साफ कहा है कि भारत की ऊर्जा आयात नीति पूरी तरह उसका अपना फैसला है और यह अमेरिकी प्रतिबंधों पर निर्भर नहीं है। मिंट ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि भले ही अमेरिका ने इस छूट को आगे नहीं बढ़ाया है, भारतीय रिफाइनरियां पहले की तरह ही उन कंपनियों और जहाजों से तेल खरीद जारी रखेंगी जो प्रतिबंधों के दायरे में नहीं आते। एक अधिकारी ने बताया कि यह छूट देना या न देना अमेरिका का अधिकार है, लेकिन इससे भारत की नीति तय नहीं होती।

2023 का महिला आरक्षण हो गया कानून लागू

आधी रात को नोटिफिकेशन जारी, विपक्ष हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया है। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में संशोधन तभी हो सकता है जब वह लागू हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की यही वजह है। हालांकि, कानून लागू होने के बावजूद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33त्न आरक्षण तुरंत नहीं मिलेगा। पुराने कानून के मुताबिक, यह 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकेगा। इस बीच विपक्ष ने सवाल उठाया है कि जब महिला आरक्षण कानून लागू ही नहीं था तो सरकार इसमें संशोधन का बिल कैसे ले आई।

2023 में कानून बना लेकिन लागू नहीं हुआ था

महिला आरक्षण बिल को 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे।

सरकार के पास क्या विकल्प बचेंगे

मोदी सरकार लोकसभा में बिल पर वोटिंग करा सकती है, अगर बिल गिर जाता है, तो सरकार इसका ठीकरा विपक्ष पर फोड़ सकती है। विपक्ष के साथ आम सहमति बना सकती है। विधेयकों को संसदीय स्थायी समिति के पास भेज सकती है। सरकार इससे पहले वन नेशन, वक्फ बिल और वन इलेक्शन बिल को भी संसदीय समिति के भेज चुकी है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू बोले- %सरकार ने महिला आरक्षण कानून में बदलाव (संशोधन) करने की तैयारी कर रही है। जो पुराना कानून है, वह अभी तक लागू नहीं हुआ था। अब सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया है, ताकि उस कानून को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। फिर उसका संशोधन हो पाए। कल्याण बनर्जी ने कहा- केंद्र सरकार महिला आरक्षण में संशोधन से जुड़ा बिल लेकर आई है। लेकिन जब कानून लागू नहीं हुआ तो उसमें कैसा संशोधन। इसीलिए देर रात में इन्होंने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया।

एमपी में 8.87 लाख लघु उद्योग...हर चौथे की मालिक महिला

- एमएसएमई में 10 लाख महिलाओं को मिला काम, 6 साल में 6 गुना बढ़ा रोजगार

भोपाल। देश में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के जरिए महिलाओं को लोकसभा, विधानसभाओं में आरक्षण देने की तैयारी है। देशभर में महिला बिल पर चल रही बहस के बीच लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों ने आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी पर सबका ध्यान खींचा है। एमपी में 8.87 लाख एमएसएमई में 2.28 लाख महिला उद्यमी आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश

में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (स्स्रूश्व) की संख्या में महिलाओं की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। 28 फरवरी 2026 तक प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक राज्य में कुल 8,87,087 पंजीकृत एमएसएमई हैं। इनमें से 2,28,959 एमएसएमई में महिलाएं सर्वेसर्वा हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि एमपी की हर चौथी एमएसएमई इकाई की कमान अब महिलाओं के हाथ में है, जो नारी शक्ति के आर्थिक सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण है। 6 सालों में 10 लाख महिलाओं को मिला रोजगार महिला उद्यमियों की इस बढ़ती संख्या ने एमपी में रोजगार के आंकड़ों को देखने से पता चलता है कि पिछले 6 सालों में एमएसएमई के माध्यम से महिलाओं को काम मिलने की रफ्तार में जबरदस्त उछाल आया है।

एमपी में महिला उद्यमियों की संख्या ऐसे बढ़ी

2020-21: उद्यम पोर्टल लॉन्च होने के बाद पहले वर्ष में राज्य में महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई की संख्या 14,239 थी। 2022-23: यह संख्या बढ़कर 2,07,795 तक पहुंच गई। 2023-24: वर्ष 2023-24 में राज्य में महिला उद्यमियों की संख्या अपने उच्चतम स्तर 7,44,746 पर पहुंच गई। 2025-26- 28 फरवरी 2026 तक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में महिला नेतृत्व वाले 2,28,959 एमएसएमई पंजीकृत हैं।

यूपी में अंबेडकर के पोस्टर-झंडे जलाने पर बवाल

- डीएसपी का सिर फटा, वाराणसी में सड़क की जाम

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में अंबेडकर के झंडे-पोस्टर जलाने और हटाने को लेकर शुक्रवार को बवाल हो गया। दलित समाज के लोगों ने बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर भी पथराव कर दिया। इसमें एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना का सिर फट गया,

जबकि चोलापुर थाने के दो दरोगा भी घायल हो गए। पूरा मामला अंबेडकर जयंती से जुड़ा है। चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव में उस दिन दलित समाज के लोगों ने झंडे-पोस्टर लगाए थे। इन्हें कुछ लोगों ने फाड़कर जला दिया। इस घटना को लेकर दलित और दूसरा पक्ष आपस में भिड़ गए।

कांग्रेस हर विधानसभा में 30 हजार परिवारों से लेगी 100-100 रुपए

कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग और संगठन पर खर्च होंगे; हरीश चौधरी बोले-प्रस्ताव दिल्ली भेजा

भोपाल। भोपाल के रविंद्र भवन में शुक्रवार को कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल), कमलेश्वर पटेल, कांतिलाल भूरिया, डॉ. गोविंद सिंह, विजयलक्ष्मी साधौ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने बताया कि पार्टी में यह प्रस्ताव विचाराधीन है कि हर विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक परिवार से 100 रुपए का सहयोग लिया जाए। यह राशि जिला और ब्लॉक स्तर पर ही खर्च होगी।

जिला अध्यक्षों के काम का मूल्यांकन जारी

चौधरी ने ब्लॉक अध्यक्षों से कहा कि वे मंडल, ब्लॉक, गांव और वार्ड स्तर पर संगठन का गठन सुनिश्चित करें। साथ ही गांवों में जाकर इकाइयों और बीएलए-2 का सत्यापन कर उनकी स्थिति का मूल्यांकन करें। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्षों के काम का मूल्यांकन जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे निर्णय लिया जाएगा।

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने अडाणी

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर की लिस्ट में मुकेश अंबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स में उनकी नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.59 लाख करोड़ रुपए हो गई है। अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स थे। उनकी नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर यानी करीब ?8.42 लाख करोड़ है। गौतम अडाणी: इस साल इनकी नेटवर्त में 8.1 अरब डॉलर यानी 75.11 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी ने इनकी नेटवर्थ को बूस्ट दिया है।

एक दिन में अडाणी की नेटवर्थ 33 हजार करोड़ बढ़ी

एक दिन में गौतम अडाणी की नेटवर्थ 3.56 अरब डॉलर यानी 33.01 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। इसी उछाल ने उन्हें मुकेश अंबानी से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अंबानी की नेटवर्थ में भी 7.67 करोड़ डॉलर यानी 712 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, लेकिन यह अडाणी की रफ्तार के सामने कम रही।

इलॉन मस्क दुनिया में सबसे अमीर व्यक्ति

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में इलॉन मस्क 656 अरब डॉलर यानी करीब 60 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनके बाद लैरी पेज दूसरे और जेफ बेजोस तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि कोई भी भारतीय टॉप टेन में शामिल नहीं है। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ को ट्रैक करने वाला एक डेली इंडेक्स है। इसमें न्यूयॉर्क में हर कारोबारी दिन की समाप्ति पर आंकड़े अपडेट किए जाते हैं। नेटवर्थ की गणना कंपनियों के स्टॉक की कीमत और अन्य सार्वजनिक होल्डिंग्स के आधार पर की जाती है।

पूर्व सैनिक का आरोप—बार हड़पने के बाद हमला, हबीबगंज थाना पुलिस पर भी उठे सवाल

टीआई पर कार्रवाई टालने और दोनों पक्षों पर केस दर्ज करने की बात; पीड़ित बोला—दो माह से थाने के चक्कर काट रहा हूं, भ्रष्टाचार की जांच की मांग

भोपाल। राजधानी भोपाल के हबीबगंज क्षेत्र में एक पूर्व सैनिक द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों ने पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिटायर्ड हवलदार पुरुषोत्तम तिवारी ने प्रॉपर्टी मालिक नवीन अरोरा और उसके साथियों पर बार हड़पने, मारपीट, धमकी और तोड़फोड़ के आरोप लगाए हैं, वहीं हबीबगंज थाना पुलिस पर भी लापरवाही और मामले को दबाने के आरोप लगाए गए हैं।

देश के रक्षक की दर्द भरी दस्ता – पीड़ित के अनुसार, उसने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास स्थित जैकपॉट बार को किराए पर लेकर करीब 25.50 लाख रुपये निवेश किए थे। आरोप है कि नवीन अरोरा ने धनबल का उपयोग कर बार की बिजली काट दी, शटर और गेट पर ताला लगाकर जबरन कब्जा कर लिया।

तिवारी का कहना है कि विरोध करने पर नवीन अरोरा, नीरज अरोरा, रौनक पटवा, केपी पटेल और अन्य साथियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की

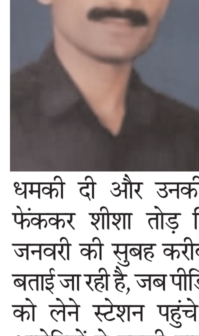

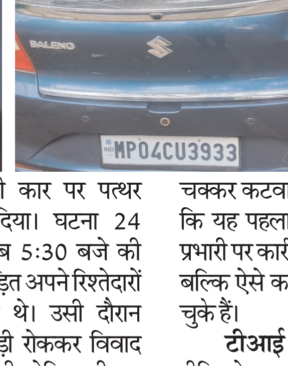

धमकी दी और उनकी कार पर पत्थर फेंककर शीशा तोड़ दिया। घटना 24 जनवरी की सुबह करीब 5:30 बजे की बताई जा रही है, जब पीड़ित अपने रिश्तेदारों को लेने स्टेशन पहुंचे थे। उसी दौरान आरोपियों ने उनकी गाड़ी रोककर विवाद किया और हमला करने की कोशिश की।

थाने के चक्कर लगाए, लेकिन कार्रवाई नहीं – पूर्व सैनिक का आरोप है कि देश की 15 वर्ष सेवा करने के बावजूद उन्हें पिछले दो महीनों से हबीबगंज थाने के चक्कर कटवाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि यह पहला मामला नहीं है, जब थाना प्रभारी पर कार्रवाई टालने के आरोप लगे हों, बल्कि ऐसे कई और मामले भी सामने आ चुके हैं।

टीआई पर भ्रष्टाचार के आरोप – पीड़ित ने थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि भ्रष्टाचार के मामलों की सच्चाई देखनी है, तो उनकी संपत्ति की जांच की जानी चाहिए– 'नौकरी से पहले क्या थे और अब क्या हैं, इसकी जांच होनी चाहिए।'

पत्रकार से बोले टीआई—दोनों पक्षों पर कर दूंगा केस

मामले में और विवाद तब बढ़ गया जब पत्रकारों से चर्चा के दौरान टीआई चौकसे ने कथित रूप से कहा– 'कैसे करूं एफआईआर? आप कह रहे हैं तो देख लूंगा, दोनों पक्षों पर कर दूंगा।' इस बयान को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि यह विडंबना है कि आरोपी को भी फरियादी बनाने की 'कला' सीखी जा रही है।

हबीबगंज पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

पीड़ित का आरोप है कि थानों की लापरवाही अपराधियों के हौसले बुलंद कर रही है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से निष्पक्ष जांच, एफआईआर दर्ज करने और मामले को एसडीएम कार्यालय में ट्रांसफर करने की मांग की है, ताकि उन्हें न्याय मिल सके। मामले को लेकर अब हबीबगंज पुलिस की भूमिका और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पंडोखर सरकार धाम महोत्सव में उमड़ा आस्था का सागर, 'मिनी कुंभ' जैसा दिव्य नजारा

दतिया/सेवढ़ा। पंडोखर सरकार धाम में आयोजित 30वां पंडोखर धाम महोत्सव एवं नव कुंडीय श्रीराम महायज्ञ इन दिनों आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना हुआ है। पंडोखर पीठाधीश्वर परम पूज्य गुरु शरण महाराज के पावन सानिध्य में चल रहे इस भव्य आयोजन में देशभर से साधु-संत, महंत, मंडलेश्वर एवं हजारों श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। संतों की लगातार बढ़ती उपस्थिति से पूरा धाम परिसर 'मिनी कुंभ' जैसा दिव्य वातावरण प्रस्तुत कर रहा है।

2 अप्रैल से प्रारंभ हुए इस महोत्सव में प्रतिदिन यज्ञ-हवन, वेद मंत्रों का उच्चारण, धार्मिक अनुष्ठान एवं भक्ति कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। पूरा परिसर भगवा रंग और श्रद्धा के भाव से सराबोर नजर आ रहा है।

अवतरण दिवस पर संतों का विराट संगम– 15 अप्रैल को गुरु शरण महाराज का अवतरण दिवस अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देशभर के प्रतिष्ठित संतों और धर्मगुरुओं की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की।

मुख्य रूप से राघवेंद्राचार्य महाराज (जयपुर), महंत सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी, महंत त्रिलोकी रामदास (ओरछा धाम), बुंदेलखंड योगी अर्पित दास (झांसी), इंद्रेश भाई साहब, महामंडलेश्वर साकेत बिहारी महाराज, दिवाकर शास्त्री, अखंड भाई साहब, सचिन भाई साहब, पूर्व मंत्री सुरेश राजखेड़ा, जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज, गोल्डन बाबा सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे। सैकड़ों संतों और विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गुरु शरण महाराज के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

रामलीला मंचन ने किया भावुक– महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 15-16 अप्रैल की दरमियानी रात 'दशरथ मरण' और 'भरत मिलाप' जैसी भावपूर्ण रामलीला प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

रामलीला मंच का शुभारंभ अयोध्या से पधारे पूज्य संतों द्वारा श्रीराम दरबार की आरती कर किया गया।

आज भोजपुरी नाइट और विशाल दंगल– शुक्रवार 17 अप्रैल को सांस्कृतिक मंच पर प्रसिद्ध कलाकार आम्रपाली दुबे, रक्षा गुप्ता और आर्यन बाबू एंड ग्रुप द्वारा भोजपुरी नाइट का आयोजन किया जाएगा। साथ ही महिला एवं पुरुष पहलवानों के बीच विशाल दंगल भी आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न राज्यों के पहलवान भाग लेंगे।

भजन संध्या और कॉमेडी ने बांधा समां– भजन संध्या में सुप्रसिद्ध गायिका शहनाज अख्तर एंड ग्रुप ने भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन पर श्रद्धालु झूम उठे।

वहीं टीवी कलाकार योगेश त्रिपाठी 'दरोगा हप्पू सिंह' ने अपनी हास्य प्रस्तुति से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। पूरा पंडाल तालियों और ठहाकों से गूंज उठा।

श्रीराम कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़– महोत्सव के अंतर्गत चल रही श्रीराम कथा में भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ददरौआ धाम से आए कथा व्यास पंडित पवन शास्त्री महाराज ने 'सती चरित्र' का मार्मिक वर्णन करते हुए भक्ति में अटूट विश्वास और अहंकार त्यागने का संदेश दिया। कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन और आरती की।

आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम– पंडोखर सरकार धाम महोत्सव अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं रह गया, बल्कि आस्था, संस्कृति, भक्ति और सामाजिक एकता का विशाल संगम बन चुका है। संतों की विशाल उपस्थिति और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप दे रही है। आने वाले दिनों में भी यहां कई भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दीवानगंज में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष रहा बड़ा बोर्ड परीक्षा का परिणाम

दीवानगंज। सांची विकासखंड के अंतर्गत आने वाले पीएम श्री शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय दीवानगंज का कक्षा दसवीं नियमित का परीक्षा परिणाम 98% रहा, जो कि विगत वर्ष से 3 प्रतिशत ज्यादा रहा,,जिसमें नियमित 50 छात्र छात्राओं में से 49 उत्तीर्ण हुए ,जिसमें 44 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी एवं 05 द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए,, विद्यालय मै प्रथम स्थान समीक्षा विश्वकर्मा, द्वितीय संजना राजपूत, एवं तृतीय स्थान ललित ने प्राप्त किया, वहीं कक्षा 12वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम 83% रहा, कला संकाय एवं ब्यूटी एंड वैलनेस में प्रथम राज साहू 86% द्वितीय रेशमा खान 83% एवं तृतीय विनय एवं पायल ने 82% अंक प्राप्त किए,वही विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान सुहानी शिखरी 83% द्वितीय स्थान संजना सेन 82.5% एवं तृतीय स्थान रोहित 81.8 प्रतिशत ने प्राप्त किया।

छात्र छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रभारी प्राचार्य श्रीमती प्रीति कहार ने सभी सफलता प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को बधाई दी एवं शिक्षकों को उनके द्वारा निष्ठापूर्वक, लग्न के साथ किए गए प्रयासों के लिए साधुवाद दिया, सभी शिक्षक साथियों की मेहनत का परिणाम है ये,एवं जो छात्र छात्राएं अभी सफल नहीं हुए उनके लिए शासन द्वारा द्वितीय अवसर प्रदान किया गया है, जिसमें सफलता हेतु अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की है।

एशिता सोलंकी ने CBSE कक्षा 10वी में 87% बनाकर मारी बाजी

सीहोर। सीहोर सेंट ऐंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा एशिता सोलंकी ने छ्क्क्स्थ कक्षा 10वी में 87% बनाकर अपने स्कूल एवं अपने माता पिता का नाम रोशन किया है उसके साथ ही शहर का नाम भी रोशन किया है । छात्रा एशिता सोलंकी ने कड़ी मेहनत कर परीक्षा में सफलता हासिल की है इस का श्रेय उन्होंने स्कूल प्रबंधन और अपने माता पिता को दिया है उन्ही के आशीर्वाद और मेहनत से सफलता प्राप्त की है। छात्रा के पिता अखलेश सोलंकी ने बताया कि मेरी बेटी हमेशा से

पढ़ाई में रुचि रखती है और कड़ी मेहनत करती है ये उसी का परिणाम है कि आज उसने इतने अच्छे परसेंटेज बनाकर हमारा नाम रोशन किया हमारे दिल को बहुत गर्व महसूस हो रहा है में स्कूल प्रबंधन को बधाई और धन्यवाद देता हूँ और अपनी बेटी को भी इस सफलता के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ ताकि वह आगे चलकर और सफलता प्राप्त कर शहर का नाम रोशन करे और हमे गर्व महसूस कराये । छात्रा एशिता सोलंकी की इस उपलब्धि पर शहर वासियों एवं परिजनों ने उन्हें बधाई दी है ।

दीवानगंज में भीषण गर्मी का असर: 40°C के पार पारा, मटकों की बढ़ी मांग

प्रजापति समाज के लोगों द्वारा आज भी मटका बनाकर गांव-गांव बेच रहे हैं

दीवानगंज। दीवानगंज क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से तेज धूप और भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है और लोग जरूरी कामों के लिए ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

इस भीषण गर्मी के बीच पारंपरिक ठंडे पानी की मांग एक बार फिर बढ़ गई है। मिट्टी के मटके का ठंडा पानी लोगों को राहत दे रहा है। दीवानगंज क्षेत्र में

प्रजापति समाज के लोग मोटरसाइकिल के माध्यम से गांव-गांव जाकर मिट्टी के मटके बेच रहे हैं। दीवानगंज के पास ही स्थित ग्राम बरजोर पुर, जमुनिया, निनोद, सरार कयामपुर, सग्रामपुर, दीवानगंज , अंबाडी, सेमरा, मुड़ियाखेड़ा, भारतीपुर, शाहपुर, काली टोर ,पिपरई, मुस्काबाद , सत्ती बसिया में निवास करने वाले कुम्हार जाति के लोग अपनी जीविका के चलाने में असहनीय है जहां पर कुम्हार अपनी आजीविका चलाने के लिए चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाकर इस कला को जीवित रखने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन परिस्थितियां उनके प्रतिकूल बनी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में मटकों की बिक्री में तेजी आई है, क्योंकि बिजली कटौती और फ्रिज की सीमित उपलब्धता के कारण लोग प्राकृतिक तरीके से पानी ठंडा रखने के विकल्प तलाश रहे हैं। मटके का पानी न केवल ठंडा होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बढ़ती गर्मी के बीच मिट्टी के मटके एक सस्ता और प्रभावी विकल्प साबित हो रहे हैं। वहीं कुम्हार समुदाय के लिए भी यह समय रोजगार के अवसर लेकर आया है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है, ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने, अधिक पानी पीने और धूप से बचने की सलाह दी जा रही है।

आगर रोड़ से खाक चौक चौराहा तक निर्माणाधीन सड़क के बीच फूलदार पौधे लगाए जाएं - संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण के तहत गुरुवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ मेला क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र के आगर रोड़ से खाक चौक तक निर्माणाधीन सड़क चौड़ीकरण कार्य में सड़क के बीच में फूलदार ऐसे पौधे लगाएं जाएं जो अप्रैल-मई महीने में फूल देते है। संभागायुक्त ने निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के विकास कार्य प्रगतिरत है।

स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का हुआ आयोजन

दीवानगंज। वेल स्वास्थ्य के अंतर्गत वेलस्पन फाउंडेशन की और से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लोगों की आवाजाही रही। इस दौरान मरीजों को चिकित्सकीय परीक्षण किया गया वहीं उन्हें दवा भी वितरित की गई। साथ ही पोषण आहार, स्वास्थ्य चिकित्सकीय परामर्श दिया गया कैंप में भारी संख्या में लोगों की आवाजाही लगी रही। मौसम में बदलाव के कारण सर्दी, जुकाम,बुखार ,जोड़ों के दर्द रोगों से संबंधित मरीज भी शिविर में पहुंचे। संस्था के द्वारा बेरखेड़ी टुंडा, टिंगरा ग्राम के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर वेलस्पन फाउंडेशन , निवसीड बचपन से रिंकू दुबे,, ओमप्रकाश रैकवार, मुस्कान खान, पूजा कुशवाहा,,आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इंदौर में जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

लगभग तीन हजार प्रगणकों-सुपरवाइजरों को बताये गये समय-सीमा में घर-घर जाकर जनगणना के तौर-तरीके

इन्दौर (निप्र)। इंदौर जिले में जनगणना की तैयारियों को गति देते हुए आज से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आगामी 18 अप्रैल तक आयोजित इस प्रशिक्षण में लगभग तीन हजार नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रगणक और सुपरवाइजर भाग ले रहे हैं। उक्त प्रगणक घर-घर जाकर डिजिटल रूप से जनगणना का कार्य करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदौर नगर निगम क्षेत्र के लगभग 2100 तथा ग्रामीण क्षेत्र के 790 प्रगणक एवं सुपरवाइजर शामिल हुए हैं। इन्हें जनगणना से जुड़े तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि आगामी कार्य को सटीक, प्रभावी और निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जा सके। प्रशिक्षण के लिए शहर में होलकर साइंस कॉलेज और वैष्णव विद्यालय राज मोहल्ला तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए देपालपुर में शहीद भागीरथ सिलावट कॉलेज और शासकीय मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, सांवेर में पीएम श्री शासकीय

कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल, डॉ. अम्बेडकर नगर महू में शासकीय सांदीपनी मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महुगाँव, बिचौली हप्सी में स्कूल ऑफ फार्मेसी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय तक्षशिला परिसर तथा विशेष जूपिटर हॉस्पिटल के पास, मल्हारगंज में करियर एकेडमी नंद बाग रोड़, राऊ में शासकीय महाविद्यालय और शासकीय महाविद्यालय विज्ञान भवन राऊ केन्द्र निर्धारित किए गए हैं, जहां प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक सत्र संचालित हो रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार द्वारा विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर किया गया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश राय ने पत्रकार आशीष गुप्ता के पिताजी स्वर्गीय श्री राधा किशन गुप्ता उस्ताद के निध पर श्रद्धांजलि श्रद्धांजलि दी

सीहोर। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री राकेश राय ने पत्रकार श्री आशीष गुप्ता के पूज्य पिताजी स्वर्गीय श्री राधा किशन जी गुप्ता (उस्ताद) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। श्री राय आज श्री गुप्ता के निजी निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय श्री राधा किशन जी गुप्ता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि वे अत्यंत सरल, सौम्य, मिलनसार एवं सम्मानित व्यक्तित्व के धनी थे। समाज में उनकी छवि एक मार्गदर्शक एवं आदर्श व्यक्ति के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस मौके पर उपस्थित लोगों ने भी स्वर्गीय श्री गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पूरा वातावरण अत्यंत भावुक एवं शोकमय हो गया। पत्रकार आशीष गुप्ता एवं उनके परिवार के प्रति अनेक गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकार बंधुओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है तथा इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया है।

सेवढ़ा विधायक की पिटाई का वीडियो चर्चा में, 'महाराज जी' को लेकर अलग-अलग राय

सेवढ़ा। क्षेत्र के विधायक प्रदीप अग्रवाल से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों तेजी से चर्चा में है, जिसमें कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की घटना दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस 'महाराज जी' का नाम इस मामले में सामने आ रहा है, वे सामान्यतः श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हैं और उनके पास बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। कई लोगों ने यह भी कहा कि 'महाराज जी सभी की पिटाई करते हैं, ऐसा नहीं है', बल्कि वे आम तौर पर शांत स्वभाव के माने जाते हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि 'महाराज जी' अपने पास बंदूक रखते हैं और कई बार फायरिंग करने की बातें भी सुनने में आती रही हैं। इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

भोपाल में सीहोर के ऑटो चालकों से गुंडागर्दी, कमीशन के चक्कर में तोडफ़ोड़, पंडित जी मौन

सीहोर। आस्था के केंद्र कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं को सेवा देने वाले सीहोर के ऑटो चालक इन दिनों दहशत और आक्रोश में हैं। भोपाल के चिरायु अस्पताल और रेलवे स्टेशन के पास सीहोर के ऑटो चालकों के साथ हुई बेरहमी से मारपीट और तोडफ़ोड़ ने अब तूल पकड़ लिया है। इस पूरे विवाद के केंद्र में कमीशन का खेल बताया जा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा पंडित प्रदीप मिश्रा की चुप्पी को लेकर हो रही है।

बता दें घटना तीन दिन पहले की है, जब कुबेरेश्वर धाम से सवारियां लेकर सीहोर के ऑटो चालक भोपाल रेलवे स्टेशन 6 नंबर प्लेटफॉर्म और चिरायु अस्पताल के पास पहुंचे थे। पीड़ित चालकों का आरोप है कि वहां शोएब नाम के एक व्यक्ति और उसके

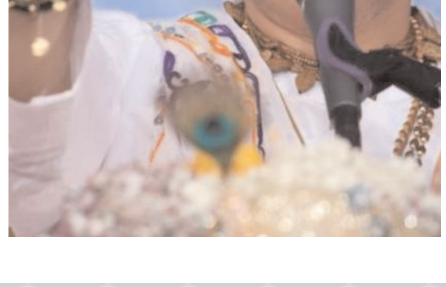

साथियों ने ऑटो रोक लिए और प्रति सवारी कमीशन की मांग की। जब ऑटो चालकों ने कमीशन देने से मना किया तो उनके साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि पत्थरों और डंडों से उनके ऑटो भी फोड़ दिए गए। चालकों का गंभीर आरोप है कि हमलावरों ने नाम और जाति पूछ-पूछकर निशाना बनाया। पीड़ितों का कहना है कि वे श्रद्धालुओं की सेवा कर रहे हैं, लेकिन भोपाल के गुंडे उनसे अवैध वसूली करना चाहते हैं।

मंडी थाने पर प्रदर्शन, बजरंग दल ने दी चेतावनी– इस घटना के विरोध में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ऑटो चालक सीहोर के मंडी थाने पहुंचे। यहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की और भोपाल के उपद्रवियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने दोटूक चेतावनी देते हुए कहा अगर भोपाल में सीहोर के ऑटो चालकों के साथ बदसलूकी बंद नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भोपाल के ऑटो और बसों को भी सीहोर की सीमा में घुसने नहीं दिया जाएगा।

विवाद की जड़ अवैध वसूली का सिंडिकेट– सूत्रों की मानें तो भोपाल रेलवे स्टेशन और चिरायु के आसपास एक बड़ा ऑटो सिंडिकेट काम कर रहा है, जो बाहरी गाडिय़ों से सवारी बिठाने के बदले भारी कमीशन वसूलता है। सीहोर के चालकों के

भक्तों की सुरक्षा पर 'पंडित जी' मौन

इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाली बात कुबेरेश्वर धाम के संस्थापक पंडित प्रदीप मिश्रा और धाम समिति का रवैया है। घटना को तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक पंडित जी की ओर से इस हिंसा पर कोई बयान नहीं आया है। आमतौर पर व्यासपीठ से हर सामाजिक मुद्दे पर बोलने वाले पंडित प्रदीप मिश्रा की इस चुप्पी से ऑटो चालकों और स्थानीय लोगों में निराशा है। ऑटो चालकों का कहना है कि वे उन्हीं के भक्तों को सुरक्षित छोडऩे भोपाल जाते हैं, ऐसे में धाम समिति को उनके हितों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए था।

प्रतिनियुक्ति कर्मचारियों को बड़ी राहतः महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, एरियर भी मिलेगा किस्तों में

भोपाल । राज्य शासन ने उपक्रमों, निगमों, मंडलों एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारियों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते में वृद्धि का निर्णय लिया है। इस फैसले से चौथे एवं पांचवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

राज्य शासन द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय अनुसार प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है। संशोधित दरों के अनुसार पांचवें वेतनमान के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 323 प्रतिशत तथा चौथे वेतनमान के कर्मचारियों का 1465 प्रतिशत हो जाएगा। यह वृद्धि 1 जुलाई 2025 से प्रभावशील मानी जाएगी।

इस निर्णय का लाभ कर्मचारियों को 1 अप्रैल 2026 से (भुगतान माह मई 2026) से दिया जाएगा। वहीं, 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि का एरियर 6 समान किस्तों में मई से अक्टूबर 2026 तक भुगतान किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से वित्तीय लाभ प्राप्त होगा। विशेष प्रावधान के तहत इस अवधि में सेवानिवृत्त या दिवंगत कर्मचारियों के मामलों में एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाएगा, जिससे उनके परिवारों को त्वरित राहत मिल सके। शासन ने स्पष्ट किया है कि महंगाई भत्ते की गणना में 50 पैसे या उससे अधिक राशि को अगले पूर्ण रुपये में गोल किया जाएगा। साथ ही, महंगाई भत्ते को किसी अन्य प्रयोजन के लिए वेतन का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

संबल योजना में आयु संशोधन पर सख्ती

मृत्यु के बाद बदलाव पूरी तरह प्रतिबंधित

भोपाल, नप्र। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में पंजीकृत श्रमिकों की आयु संबंधी प्रावधानों को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि समग्र पोर्टल में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर ही संबल पोर्टल पर श्रमिक की आयु की गणना की जाएगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, किसी भी पंजीकृत श्रमिक की मृत्यु के बाद उसकी आयु (जन्म तिथि) में किसी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा।

अपर सचिव श्रम विभाग श्री संजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह नियम संबल योजना में भी सख्ती से लागू रहेगा। उन्?होंने बताया है कि समग्र पोर्टल पर मृत्यु प्रविष्टि दर्ज करने से पहले संबंधित हितग्राही की जन्म तिथि का गहन परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। एक बार मृत्यु दर्ज हो जाने के बाद किसी भी परिस्थिति में आयु परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी श्रमिक की आयु पोर्टल पर त्रुटिपूर्ण पायी जाती है, तो उसके सुधार के लिए आवेदन केवल आईटी विभाग के माध्यम से ही किया जा सकेगा। अन्य किसी माध्यम से आयु संशोधन मान्य नहीं होगा।

बिरसिंगपुर 500 मेगावाट यूनिट ने बिना रूके किया 150 दिन विद्युत उत्पादन

भोपाल । मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के संजय गांधी ताप विद्युत गृह, बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए 150 दिनों तक निरंतर व निर्बाध विद्युत उत्पादन कर लगातार विद्युत उत्पादन करने की शृंखला में एक कड़ी और जोड़ दी। यह इकाई दिनांक 16 नवम्बर 2025 से सतत् संचालन में है, जो कि संयंत्र की विश्वसनीयता, संचालन क्षमता व उच्च स्तरीय रखरखाव का जीता जागता प्रमाण है।

150 दिनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने के दौरान 500 मेगावाट की यूनिट ने न केवल सतत् उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया, बल्कि विभिन्न परिचालन व तकनीकी मानकों पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यूनिट ने 98.64 प्रतिशत का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर बनाए रखा, जो विद्युत उत्पादनके लिये यूनिट की स्थरिता एवं उपलब्धता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त यूनिट ने 98.45 प्रतिशत का प्लांट लोड फैक्टर दर्ज किया, जो कि उत्पादन क्षमता के अधिकतम उपयोग को इंगित करता है। यूनिट नंबर 5 ने सहायक विद्युत खपत को मात्र 5.52 प्रतिशत तक सीमित रखा गया, जो कि ऊर्जा दक्षता एवं संसाधनों के समुचित उपयोग का परिचायक है। यूनिट नंबर 5 ने जहां मशीन के संदर्भ में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया, वहीं इस यूनिट से संलग्न अभियंताओं, तकनीकी कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों की समर्पित कार्यशैली, सतत निगरानी व समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण रखरखाव के कारण यूनिट नंबर 5 श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल हुई है। कठिन परिस्थितियों में भी संयंत्र की मशीनरी का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना टीम की उच्च पेशेवर दक्षता को परिलक्षित करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी की कुल 13 विद्युत यूनिट ने 100 दिन से ऊपर निर्बाध विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बनाया था। जिसमें संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 3 ने एक बार और यूनिट नंबर 4 व 5 ने 2-2 बार यह उपलब्धि हासिल की थी। इस तरह यूनिट नंबर 5 ने अपने इस कीर्तिमान की दूसरी पारी को आगे बढ़ते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 का आग़ाज़ 150 दिन निर्बाध विद्युत उत्पादन कर किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थरः सुश्री निर्मला भूरिया

भोपाल, नप्र। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सकारात्मक कदम बताते हुए इसे मील का पत्थर निरूपित किया है। सुश्री भूरिया गुरुवार को उज्जैन में जिला स्तरीय नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महिलाओं को संबोधित कर रही थीं।मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में चल रहे नारी शक्ति वंदन जागरूकता अभियान की सफलता को रेखांकित करते हुए मंत्री सुश्री भूरिया ने इस आयोजन को नारी शक्ति के उत्थान का प्रतीक बताया। उन्होंने अधिनियम की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने वाले इस कानून से न केवल नारी शक्ति का नेतृत्व सुदृढ़ होगा, बल्कि विधायी और संसदीय कार्यक्षेत्र में उनकी भागीदारी भी प्रभावी ढंग से बढ़ेगी। उन्होंने महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि अब देश के नीति निर्धारण में मातृशक्ति की भूमिका और भी निर्णायक होने वाली है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता की सराहना की। श्रीमती यादव ने इसे 'युगांतरकारी' परिवर्तन बताते हुए कहा कि महिलाओं के प्रति सरकार की यह संवेदनशीलता आज धरातल पर दिखाई दे रही है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस अधिनियम और शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं, जिससे समाज की अंतिम पंक्ति की महिला तक भी इनका लाभ पहुँच सके।

इस दौरान उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वाली मेरिट की छात्राओं को मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया एवं सभापति श्रीमती कलावती यादव द्वारा सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सम्मेलन का समापन एक भव्य और विशाल महिला जागरूकता रैली के साथ हुआ।

मंत्री सुश्री भूरिया और सभापति श्रीमती यादव ने न केवल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, बल्कि स्वयं भी सैकड़ों महिलाओं के साथ पूरे मार्ग पर पैदल मार्च किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों की महिला प्रतिभागी सम्मिलित हुईं।

बच्चों के साथ दादा-दादी की भागीदारी, बना खास माहौल

युद्ध जैसे वैश्विक हालातों का जिक्र ऊर्जा बचत पर दिया जोर

भोपाल। नीलबड़ स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने 'सेव एनर्जी' को लेकर जागरूकता रैली निकाली। इस अनूठी रैली में बच्चों के साथ उनके दादा-दादी भी शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम को सामाजिक सहभागिता का रूप मिला।

रैली के दौरान विद्यार्थियों ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों, खासकर युद्ध जैसे हालातों का उल्लेख करते हुए संदेश दिया कि बढ़ते संकट के समय ऊर्जा की बचत और सही उपयोग बेहद आवश्यक हो जाता है। बच्चों ने नारे लगाकर लोगों से अपील की कि वे बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत को कम करें और ग्रीन एनर्जी की ओर कदम बढ़ाएं।

इस दौरान 'स्वास्थ्य का भी रखें ध्यान' का संदेश देते हुए बच्चों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने से न सिर्फ प्रकृति सुरक्षित रहती है, बल्कि मानव स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है।

स्कूल प्रबंधन के अनुसार इस रैली का उद्देश्य बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। स्थानीय लोगों ने भी बच्चों के इस प्रयास की सराहना की।

भोपाल रेल मंडल द्वारा छवि धूमिल करने वाली झूठी शिकायतों के विरुद्ध अभियान प्रारंभ

भोपाल । पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा रेलवे की छवि को धूमिल करने वाली झूठी एवं भ्रामक शिकायतों के विरुद्ध एक 15 दिवसीय विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य रेलवे सेवाओं के संबंध में फैलने वाली असत्य सूचनाओं पर अंकुश लगाना एवं यात्रियों को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना है। मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, शिकायत पोर्टल एवं अन्य माध्यमों पर प्राप्त शिकायतों का गहन सत्यापन किया जा रहा है। शिकायत सही पाये जाने पर आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जा रही साथ ही जांच में यदि कोई शिकायत तथ्यहीन या दुर्भावनापूर्ण पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

हालिया घटना का उदाहरणः हाल ही दिनांक 12.04.2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक यात्री द्वारा मंडीदीप रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकट में अनिमियता के संबंध में झूठा शिकायत प्रसारित किया गया जिस पर भोपाल रेल प्रशासन द्वारा तत्काल मामलें को संज्ञान में लेते हुए जाँच कराई गयी। सीसीटीवी फुटेज के जाँच में पाया गया कि तत्कालीन ड्यूटी पर तैनात रेल कर्मचारी द्वारा नियमानुसार तत्काल टिकट ले लिए यात्रिओं को टोकन वितरित किये एवं

उनकी इंट्री टोकन रजिस्टर में भी पायी गई। जबकि शिकायतकर्ता द्वारा बिना टोकन के तत्काल टिकट लेने हेतु महिला कर्मचारी पर अनावश्यक दबाव दिया जा रहा था। तत्काल टिकट न मिलने की दशा में आवेश में एक तरफ़ा झूठा वीडियों बनाकर तत्काल टिकट में अनिमियतता की शिकायत की गयी एवं सोशल मिडिया (ट्वीटर) पर वायरल किया गया जिससे रेलवे की छवि धूमिल हुई। जांच में पाया गया कि उक्त शिकायत पूरी तरह भ्रामक एवं असत्य थी। बाद में शिकायतकर्ता ने आवेश में शिकायत करने की बात स्वीकारी एवं अपनी शिकायत को वापस लिया। इस प्रकरण में संबंधित व्यक्ति को रेल सुरक्षा बल द्वारा समझाईस दी गई तथा भविष्य में इस प्रकार की भ्रामक जानकारी प्रसारित न करने के निर्देश दिए गए।

यात्रियों से अपीलःभोपाल मंडल द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे किसी भी समस्या के समाधान हेतु आधिकारिक माध्यमों जैसे रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139, अधिकृत ऐप्स एवं पोर्टल का ही उपयोग करें तथा बिना सत्यापन के किसी भी सूचना को सोशल मीडिया पर साझा करने से बचें।

मप्र में अब मनमानी नहीं कर पाएगी पुलिस, लिख कर देना होगा गिरफ्तारी का आधार, पुलिस मुख्यालय ने जारी किया निर्देश

भोपाल, नप्र। प्रदेश में पुलिस यदि किसी व्यक्ति को अब गिरफ्तार करेगी तो उसे इसका ठोस कारण लिखित रूप में बताना होगा। सिर्फ मौखिक जानकारी पर्याप्त नहीं मानी जाएगी। पुलिस को यह जानकारी ऐसी भाषा में देनी होगी, जो गिरफ्तार व्यक्ति को ठीक से समझ में आ सके। पुलिस मुख्यालय की सीआइडी शाखा ने इस संबंध में भोपाल-इंदौर के पुलिस आयुक्तों व सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के परिपालन में निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र राज्य बनाम अन्य के मामले में छह नवंबर 2025 को यह आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 22 (1) के अनुसार किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण जानना उसका मौलिक अधिकार है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि आरोपित को मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करने की कम से कम दो घंटे पहले लिखित में उसे जानकारी देना अनिवार्य है।

भोपाल में शादी वाले घरों के लिए बड़ी राहत, अब गैस एजेंसी को निमंत्रण पत्र भेजकर ले पाएंगे दो कमर्शियल सिलिंडर

भोपाल, नप्र। जिले में शादियों का सीजन शुरू हो चुका है और लोगों को चिंता है कि खाना बनवाने के लिए सिलिंडर कैसे उपलब्ध होगा। इसी बीच गैस कंपनियों ने उन लोगों के लिए राहत की खबर दी है जिनके यहां आने वाले दिनों में वैवाहिक कार्यक्रम होने वाले हैं। दरअसल कंपनियों के द्वारा शादी कार्ड दिखाने और तय जमा राशि व रिफिलिंग शुल्क कुल चार हजार 50 रुपये चुकाने पर दो व्यावसायिक सिलिंडर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इससे उन उपभोक्ताओं को लाभ होगा जो कि शादी में सिलिंडर की जुगाड़ करने में जुटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार जिले में मंगलवार से शादियां शुरू हो गई हैं और लोगों ने भोजन का जिम्मा कैटर्स को सौंपा है। अभी तक सिलिंडर नहीं उपलब्ध हो पाने से कैटर्स ने डीजल भट्टी व इलेक्ट्रानिक तंदूर आदि व्यवस्था की है। इसी बीच इंडेन, भारत, एचपी गैस कंपनियों ने निर्णय लिया है कि वह शादी में भोजन बनाने के लिए लोगों को नियमानुसार दो व्यावसायिक सिलिंडर उपलब्ध करवाएंगी। इसके लिए लोगों को अपने यहां होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम का शादी कार्ड कंपनी की एजेंसियों पर देना होगा। इसके अलावा उन्हें दो सिलिंडर के लिए 4,400 रुपये जमा राशि और रिफिलिंग शुल्क 3,700 जमा करनी होगी। इसके बाद संबंधित उपभोक्ता को दो व्यावसायिक सिलिंडर उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। कंपनियों द्वारा शादी के लिए तय शुल्क व विभिन्न शर्तों के आधार पर उपभोक्ताओं को दिए जाएंगे, जिसमें शादी कार्ड सहित अन्य प्रमुख दस्तावेज शामिल किए गए हैं।

विधानसभा की हारी सीटें जीतने के लिए भाजपा ने बनाई क्लस्टर-रणनीति, दिग्गज नेताओं को दी जिम्मेदारी

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश में 2028 में संभावित विधानसभा चुनाव में भाजपा उन सीटों को भी जीतने के लिए विशेष रणनीति बना रही है, जिन पर जनसंघ के समय से लेकर अब तक वह कम ही जीती है। ऐसी कई सीटों को चिह्नित कर उसने न सिर्फ संगठनात्मक गतिविधियों को अभी से बढ़ा दिया है बल्कि तीन-चार गांवों का कलस्टर बनाकर उनकी जिम्मेदारी दिग्गज नेताओं को दी है।

उन्हें हार के कारणों का अध्ययन करने और उन्हें दूर करने के लिए मजबूत रणनीति बनाने को कहा गया है। ऐसी कई सीटों पर कांग्रेस अपने जिन दिग्गज नेताओं के प्रभाव के कारण मजबूत है, उनका किला भी भेदने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

ऐसी सीटों में खरगोन जिले की अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित भगवानपुरा सीट पर कांग्रेस या निर्दलीयों का दबदबा रहा है। धार जिले की कुक्षी सीट भी परंपरागत रूप से कांग्रेस के पक्ष में रही है। खरगोन जिले की अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सुरक्षित भीकनगांव सीट पर भी भाजपा को कभी सफलता नहीं मिली। सीधी जिले की चुरहट सीट भी कांग्रेस का गढ़ रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की इस परंपरागत सीट पर वर्ष 1993 और 2018 को छोड़कर कभी भी भाजपा नहीं जीती। एक बार 1967 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी भी जीती। मुस्लिम बहुल भोपाल उत्तर सीट पर भाजपा सिर्फ 1993 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद के राजनीतिक माहौल में मतों के ध्रुवीकरण के लाभ के चलते जीती। 2018 में फातिमा रसूल सिद्दीकी के रूप में प्रदेश में एकमात्र मुस्लिम उम्मीदवार को उतारकर भी भाजपा सफल न हो सकी। छिंदवाड़ा जिले की चौरई सीट लंबे समय से कांग्रेस, विशेषकर कमल नाथ परिवार के प्रभाव क्षेत्र में रही है।

भाजपा के रमेश दुबे यहां के प्रभावशाली नेता रहे हैं, जिन्होंने 2003 और 2013 के विधानसभा चुनावों में यहां से जीत दर्ज की थी। इस जिले की अमरवाड़ा सीट को छोड़कर बाकी सारी सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है। अमरवाड़ा सीट पर जुलाई 2024 में हुए उपचुनाव में भाजपा के कमलेश प्रताप शाह ने जीत हासिल की। यह जीत भाजपा के लिए इसलिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि अमरवाड़ा में भाजपा 16 साल बाद वापसी करने में सफल रही। बालाघाट जिले की परसवाड़ा सीट भी ऐसी ही है, जहां से केवल दो बार भाजपा जीती।

यह रहेगी रणनीति

भाजपा ने इन कठिन सीटों के लिए मिशन-2028 के तहत एक बहुआयामी माइक्रो-प्लानिंग रणनीति तैयार की है। क्लस्टर विकास योजना बनाकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों जैसे भगवानपुरा, भीकनगांव के लिए तीन-चार गांवों का क्लस्टर बनाकर वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करना है। इसके लिए पन्ना प्रमुखों को सक्रिय कर घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अल्पसंख्यक और जातिगत समीकरण को देखते हुए इन सीटों पर प्रभावी जाति समूहों एससी-एसटी व अन्य को साधने के लिए नजदीकी विधायकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। मंत्रियों की तैनाती भी इन कठिन सीटों पर की गई है। संगठन के दिग्गज मंत्रियों और कोर ग्रुप के सदस्यों को प्रभारी बनाया गया है ताकि वे जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का भरोसा जीत सकें।

सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भोपाल में बैठक संपन्न

भोपाल, नप्र। कामधेनु गौ सेवा राष्ट्रीय समिति के तत्वावधान में एवं अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा ट्रस्ट तथा राजीव नगर शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, भोपाल (म.प्र.) के सहयोग से 20 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले सर्वजातीय कन्या विवाह सामूहिक सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आयोजन को सफल बनाने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सभी जिम्मेदारियां पदाधिकारियों को सौंपी गई हैं और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।बैठक में अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम अवध पांचाल उपस्थित रहे। इसके अलावा गोपाल मीना, ललित कुमार गोर, हेमंत कटिहार, रिंकू पटेल मीना, राम कुमार विश्वकर्मा, डॉ. नरेश विश्वकर्मा, घनश्याम विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा, मुकेश विश्वकर्मा, सुमेर सिंह विश्वकर्मा, बाबूलाल विश्वकर्मा, रामबाबू विश्वकर्मा, रामस्वरूप विश्वकर्मा, मोहिनी अहिरवार सहित अनेक सामाजिक बंधु कार्यक्रम में शामिल हुए। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और समाज में एकता एवं सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

शासकीय कार्यालयों में प्रदान किए छाया चित्र

भोपाल, नप्र। बाबा साहब अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में जिला भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा शासकीय कार्यालयों में उनके छाया चित्र प्रदान किये गए। जिसका उद्देश्य है संविधान के निर्माता बाबा साहब का छाया चित्र कार्यालय में लगाया जाए और सभी को उनके बताए हुए मार्गो पर चलने की प्रेरणा मिले। यह छाया चित्र भोपाल जोन 04 पुलिस के एसीपी निशातपुरा को उनके कार्यालय स्थित करोंद थाना निशातपुरा परिसर में प्रदान किया गया। नगर निगम जोन कार्यालय 17 में जोन अधिकारी अभिषेक खरे व सिविल इंजीनियर अक्षय उपाध्यय को प्रदान किया गया।साथ ही थाना छोला मंदिर में सब इंस्पेक्टर एम डी अहिरवार को प्रदान किया। शासकीय कार्यालयों में बाबा साहब अंबेडकर जी के छाया चित्र निरंतर जिला भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा प्रदान किये ज रहे है। बाबा साहब अंबेडकर जी का छाया चित्र प्रदान किये जाने वालों में एड रवि राजपूत, जिला भाजपा उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा राजेश अहिवार रक्का, भगत सिंह मंडल अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष चंद्र शेखर धनराज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

मादक पदार्थः बदलता ट्रेंड और बढ़ता खतरा

कसोल घाटी से राजधानी तक 'मलाना क्रीम' चरस की बढ़ती सप्लाई केवल एक खबर नहीं, बल्कि समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। यह संकेत देता है कि नशे का कारोबार अब स्थानीय स्तर से निकलकर संगठित नेटवर्क के माध्यम से उच्च वर्ग और हाई-प्रोफाइल पार्टियों तक पहुंच चुका है। भोपाल जैसे शहरों में महंगे नशे का बढ़ता चलन इस बात का प्रमाण है कि नशा अब 'स्टेटस सिंबल' बनता जा रहा है।

पहले जहां नशा सीमित साधनों तक था, वहीं अब प्रीमियम चरस और सिंथेटिक ड्रग्स युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। यह बदलता स्वरूप न केवल सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रहा है, बल्कि अपराध को भी बढ़ावा दे रहा है। नेपाल-बिहार जैसे रूट्स के जरिए मध्यप्रदेश तक पहुंचने वाला यह नेटवर्क संगठित अपराध की गहराई को उजागर करता है।

यह समस्या केवल पुलिस कार्रवाई से हल नहीं होगी। असली सवाल मांग का है। जब तक युवाओं में नशे के प्रति आकर्षण रहेगा, तब तक सप्लाई के रास्ते बनते रहेंगे। इसलिए परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर जागरूकता बढ़ानी होगी।

समाधान के लिए सख्त निगरानी, अंतरराज्यीय समन्वय, नशा मुक्ति केंद्रों की मजबूती और व्यापक जनजागरूकता अभियान जरूरी हैं। मादक पदार्थों का बढ़ता प्रचलन केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक संकट है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को गहरे संकट में डाल सकता है।

राजनीति में यायावरी का असीम आनंद

सुधाकर आशावादी

प्राकृतिक वातावरण में घुमक्कड़ी व्यक्ति को यायावर की संज्ञा प्रदान की जाती है। यदि यही प्रवृत्ति राजनीतिक परिदृश्य में अपनाई जाए, तो यायावर पर दल बदलू होने का ठप्पा लग जाता है। राजनीति में हृदय परिवर्तन होना नई बात नही है। कब किसका हृदय परिवर्तन हो जाए, कहा नहीं जा सकता। कब कोई किसी का स्तुति गान करते करते निंदा गान करने लगे, यह भी पूर्व निर्धारित नही होता। अलबत्ता राजनीति की शतरंज में कब कौन सा प्यादा वजीर बन जाए, यह प्यादा खुद भी नहीं जानता। वैसे इसके लिए अपना लक्ष्य तय करते हुए साम दाम दंड भेद अपनाने वाली लंबी पारी खेलने का हुनर आना चाहिए। मौकापरस्ती महत्वाकांक्षी राजनीतिक प्राणी की रग रग में समाहित होनी चाहिए। जिस कंधे को सीढ़ी बनाकर प्रयोग में लाया जाए, पहले उसी कंधे को नकारना चाहिए, ताकि कंधे बदल बदल कर कुर्सी तक पहुँचने का सफर तय किया जा सके। यह मैं नहीं कहता, सत्ता शीर्ष तक पहुँचने का सफर तय करने के लिए अपनाए जाने वाला तिकड़मी आचरण कहता है।

साधारण सी बात है, कि किसी भी गंतव्य तक पहुँचने के लिए यातायात के अनेक साधन अपनाने पड़ते ही हैं, वे साधन परिस्थितिजन्य होते हैं। साधन अपनाने में अपने उपलब्ध संसाधनों का ध्यान भी रखना होता है। यदि जेब का वजन भारी हो, तब सफर की टेंशन अधिक नहीं होती। समस्या तब आती है, जब संसाधन सीमित हों और गंतव्य तक पहुंचना जरुरी हो। ऐसे में यातायात के सार्वजनिक साधनों का प्रयोग मज़बूरी बन जाता है। लक्ष्य निश्चित समय सीमा में गंतव्य तक पहुंचना होता है। बहरहाल सियासत और जिंदगी के सामान्य सफर में यही समानता है। यहाँ निष्ठा, समर्पण, विश्वसनीयता, वफ़ादारी, त्याग, जैसे मूल्यों का कोई मोल नहीं होता।

अपने एक मित्र खानदानी सियासी हैं। सियासत उन्हें विरासत में मिली है। अक्सर ऐसा ही होता है,जब सियासत खानदानी पेशा बन जाती है, तब विरासत में रोजगार मिलता ही है। दुकान पर बैठने के लिए केवल उत्तराधिकारी होना ही अनिवार्य योग्यता होती है। स्कूली पढ़ाई ऐसे में कोई मायने नहीं रखती। वे भी समय से पढ़ नहीं पाए। उन्होंने अपनी सियासत की दुकान संभाली। सुबह एक दल में कटी और दूजे में शाम, दलबदलू बन कर किया जीवन में संग्राम। अंततः वह अपने गंतव्य तक पहुंच ही गए। जब लक्ष्य मछली की आँख पर निशाना लगाकर प्राप्त किया जा सकता हो, तो सियासत का अर्जुन उस दिशा में बढ़ ही जाता है। मित्र महोदय के साथ भी ऐसा ही हुआ। सत्ता का सफर शुरू किया, किसी और दल से, वहां महत्वाकांक्षा पूरी नहीं हुई, तो कहीं और खिसक गए, वहां भी दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, तो वहां से भी बिस्तर बोरिया बाँध लिया, उसके बाद वे मैं से हम हो गए, फिर हम में भी दाल नहीं गली, कहीं और खिसक गए, जहाँ खिसके वहां लगा, कि टिक सकते हैं, टिके और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के कंधे की सीढ़ी बनाकर मचान पर चढ़ गए। अक्सर ऐसा ही होता है। पुरानी कहानियों के पात्रों की तरह कब कोई चरवाहा या लकड़हारा राजा बन जाए। पहले से सुनिश्चित नहीं होता।

दल बदल बदल कर सत्ता शीर्ष तक पहुँचना केवल कलाकारी नहीं है, यदि भाग्य साथ दे, तो राजनीति में किसी का सितारा कभी भी चमक सकता है यानी बार बार हृदय परिवर्तन करने के बदले विशिष्ट उपहार मिल सकता है यानी प्राकृतिक यायावरी की तरह राजनीतिक यायावरी भी व्यक्ति को असीम आनंद की अनुभूति करा सकती है।

फांसी जैसी सजा से ही रुकेंगी पुलिस हिरासत में मौतें

(योगेंद्र योगी)

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं।

देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सज़ा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन ज़िले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात क़रीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई। इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

इसी तरह लुधियाना जिले में करीब छह साल पहले रिकवरी एजेंट दीपक शुक्ला की थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस हिरासत में हुई थी। मौत के मामले में लुधियाना की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के तहत आरोप तय करने के आदेश जारी किए हैं। यह पूरा मामला फरवरी 2020 का है, जब पुलिस ने दीपक शुक्ला को वाहन चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया था। दीपक पर चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उसे अमानवीय यातनाएं दीं। 26 फरवरी 2020 की रात दीपक ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। दीपक के परिवार ने इंसाफ के लिए एक लंबी और थका देने वाली कानूनी लड़ाई लड़ी।

पंजाब के मोगा जिले में भिंदर सिंह की मौत गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं देने से हुई थी। न्यायिक जांच में सामने आया कि भिंदर सिंह को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं। इस मामले में स्थानीय अदालत ने पंजाब पुलिस के पांच कर्मियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में ट्रायल चलाने का आदेश देते हुए केस को सेशन कोर्ट में भेज दिया है। जुलाई 2024 को मध्यप्रदेश के बिलाखेड़ी निवासी युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। पुलिस ने 8 लाख रुपये की कथित चोरी के आरोप में उसे हिरासत में लिया था। हिरासत में मौत के बाद उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप 15 मई को सीबीआई जांच का आदेश जारी हुआ। इस जांच के सिलसिले में एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि हिरासत में हुई मौत के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाने वाले दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अभी भी फरार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। 4 सितंबर को दिए गए अपने आदेश का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत में हुई मौतों की रिपोर्ट सामने आई है।कोर्ट ने कहा कि इससे साफ़ है कि हिरासत में अत्याचार कम होने के बजाय जारी हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र की ओर से थानों में सीसीटीवी को लेकर मांगी गई रिपोर्ट न सौंपने पर कड़ी नाराज़गी जताई थी। केंद्र सरकार ने एक भी रिपोर्ट जमा नहीं की। जस्टिस नाथ ने इस पर कड़ा एतराज़ जताते हुए कहा था कि केंद्र सरकार अदालत के आदेशों को हल्के में नहीं ले सकती। उन्होंने पूछा, केंद्र सरकार अदालत को बहुत हल्के में ले रही है, क्यों?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, 2016 और 2022 के बीच भारत में हिरासत में 11,650 मौतें हुईं। अकेले उत्तर प्रदेश में 2,630 हिरासत में मृत्युएँ दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक है। आंकड़ों के 2023 के विश्लेषण से पता चलता है कि 2017 और 2022 के बीच, हिरासत में हुई मृत्युओं के संबंध में देश भर में केवल 345 मजिस्ट्रियल जाँच के आदेश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप केवल 123 गिरफ्तारियाँ हुईं। एनएचआरसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 1996 और 2018 के बीच हिरासत में हुई 71 प्रतिशत मौतें गरीब या कमज़ोर पृष्ठभूमि के बंदियों की थीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, 1997 के फैसले में गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित अनिवार्य सुरक्षा उपाय निर्धारित किए थे। जिसके तहत रिश्तेदारों को सूचित करना, गिरफ्तारी ज्ञापन रखना, चिकित्सा परीक्षण, कानूनी परामर्श, 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना अनिवार्य था। इन दिशा–निर्देशों को अनुच्छेद 141 के अंतर्गत प्रवर्तनीय कानून माना जाता है। न्यायालय का यह आदेश कहीं धूल फांक रहा है। न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान की अध्यक्षता में गठित भारतीय विधि आयोग ने 30 अक्टूबर, 2017 को तत्कालीन विधि एवं न्याय मंत्री रवि शंकर प्रसाद को सौंपी गई अपनी 273 वीं रिपोर्ट में केंद्र सरकार से संयुक्त राष्ट संघ के यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि करने और यातना निवारण कानून लागू करने की सिफारिश की थी।

आयोग ने यातना निवारण के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किए हैं। इस रिपोर्ट में यातना निवारण विधेयक के अलावा विधि आयोग ने यातना उन्मूलन के उद्देश्य को सार्थक बनाने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव दिया था। रिपोर्ट में यातना के खतरे को कम करने और यातना के कृत्यों पर रोक लगाने और ऐसे कृत्यों के अपराधियों के लिए कठोर दंड की सिफारिश की गई। इस रिपोर्ट के साथ संलग्न विधेयक के मसौदे में आजीवन कारावास और जुर्माने तक के दंड का प्रावधान था। आयोग ने न्यायसंगत मुआवजे का निर्णय न्यायालयों पर छोड़ दिया। इसके अलावा, आयोग ने यातना पीड़ितों, शिकायतकर्ताओं और यातना के मामलों के गवाहों को संभावित खतरों, हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करने की सिफारिश भी की गई थी।

1997 में भारत ने संयुक्त राष्ट यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि नहीं की। इसकी पुष्टि करने का अर्थ यह होता कि भारत को यातना निवारण विधेयक पारित करना होगा, जिसे पहली बार 2010 में यूपीए द्वितीय सरकार द्वारा पेश किया गया था। इसमें किसी लोक सेवक द्वारा या लोक सेवक की सहमति से ऐसा कृत्य, जिससे गंभीर चोट पहुंचे या जीवन, अंग या स्वास्थ्य (मानसिक या शारीरिक) को खतरा हो। इसमें जबरन कबूलनामा करवाने के उद्देश्य से, या धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, समुदाय या किसी अन्य आधार पर दंडित करने के लिए दी गई यातना के लिए न्यूनतम 3 वर्ष की सजा का प्रस्ताव था, जिसे 10 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। विधेयक आज तक कानून नहीं बन पाया।

इससे साफ जाहिर है जो भी दल सत्ता में आता है, वह देश के मौजदा पुलिस सिस्टम में बदलाव नहीं करना चाहता। कारण साफ है यदि ऐसे कानून बन जाएंगे तो पुलिस अधिकारी नेताओं के इशारे पर नहीं नाचेंगे। जब नाचेंगे नहीं तो नेताओं के मौखिक तौर पर गैर कानूनी काम कैसे होंगे। यही वजह रही है कि केंद्र ने हाल ही में दंड संहिता को न्याय संहिता का नाम दे दिया है। इसमें पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। पुलिस अफसरों को लापरवाही बरतने और सही तरीके से ड्यूटी को अंजाम नहीं देने पर जेल भेजे जाने का प्रावधान नहीं किया गया। पुलिस हिरासत में मौतों का इस कानून में जिक्र तक नहीं किया गया। उल्टे पुलिस हिरासत में जब–जब मौतों का मामला सामने आता है, सरकार और पुलिस अफसर उसके रफा दफा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। सत्तारुढ राजनीतिक दलों की मिलीभगत का ही परिणाम है कि आज 21वीं सदी में भी भारत में पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें आदिम युग की याद दिलाती हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या नोएडा मजदूर हिंसक आंदोलन के लिए औद्योगिक, प्रशासनिक व राजनीतिक सांठगांठ जिम्मेदार है?

(कमलेश पांडे)

आंदोलन के पृष्ठभूमि की यदि बात की जाए तो मजदूर न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम भत्ते की मांग कर रहे हैं। चूंकि हरियाणा से जुड़े एक फैसले ने उत्तर प्रदेश के मजदूरों में असंतोष पैदा किया, क्योंकि यहां अनस्किल्ड वर्कर को 15,000 से कम वेतन मिलता है।

हमारे देश के राजनेता भले ही चुनावों के दौरान दलित-महादलित-आदिवासी, ओबीसी-ईबीसी, अल्पसंख्यक-पसमांदा और गरीब सवर्ण आदि से जुड़े सामाजिक न्याय सम्बन्धी तरह-तरह की बातें करते हैं, ममनगढ़ंत आंकड़े गिनाते/बताते हैं, लेकिन उनकी नाक के नीचे श्रमजीवियों का अंतहीन शोषण होता रहता है, जिससे उनका मुंह फेरे रहना या फिर किसी बड़े आंदोलन के बाद सक्रिय होना उनके नेतृत्वकारी भूमिका पर सवाल उठाता है। आमतौर पर प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योगपतियों की मिलीभगत से किस कदर श्रमजीवी मजदूरों का शोषण अनवरत रूप से जारी रहता है और फिर एक दिन नोएडा मजदूर आंदोलन के शक्ल में फूट पड़ता है, इसका यह ताजा उदाहरण है। इसी प्रवृति से नई आर्थिक नीति विफलता के कगार पर खड़ी है। नीति निर्माण में नेताओं/नौकरशाहों ने जो पक्षपात दिखाया है, वह सभी समस्याओं की जड़ है।

यक्ष प्रश्न यह कि जिस देश में महंगी शिक्षा, महंगा स्वास्थ्य और खर्चीला शहरी जीवन का बोलबाला हो, वहां पर निजी क्षेत्र के असमान वेतन स्तर के लिए हमारे नीति निर्माता जिम्मेदार नहीं हैं तो कौन है, वही बताएं। विपक्ष का काम संसद में, विधान मंडल में इन्हीं पहलुओं पर तर्कसंगत बहस करना है, लेकिन वह भी नीतिगत नकारापन का शानदार नमूना बन चुका है। दिलचस्प तो यह कि पहले सत्ताधारी यूपीए के वक्त एनडीए विपक्ष में था और अब सत्ताधारी एनडीए के वक्त यूपीए/इंडिया गठबंधन विपक्ष में है।

चूंकि दोनों पूंजीवादी गठबंधन हैं और अपने आर्थिक मोहपाश में जनोन्मुखी समाजवादी व वामपंथी सियासत को बांध चुके हैं, जिससे सबकुछ गड्डमड्ड हो चुका है। कहीं जातिवाद, कहीं क्षेत्रवाद और कहीं सम्प्रदायवाद के नाम पर परस्पर बंटी हुई जनता को अपनी मौलिक जरूरतों का एहसास ही नहीं है।

काबिलेगौर है कि शहरों/महानगरों या गांवों में जो आमतौर पर वेतन स्ट्रक्चर होता है, उससे कोई युवा या वयस्क अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का सम्यक निर्वहन कर सकता है क्या? जवाब होगा- संभव नहीं! कोढ़ में खाज यह कि तरह तरह के मित्रों- शिक्षा मित्र, स्वास्थ्य मित्र आदि के मार्फ़त सरकारी क्षेत्र भी इन्हीं पूंजीवादी मानसिकता को तरजीह देता आया है, जिस पर उदार हृदय से बहस करने और भारतीयों के जीवन स्तर को सुधारने की जरूरत है।

सवाल है कि जिन शहरों में फ्लैट्स या जमीन की कृत्रिम कीमतें आसमान छूती हों, वहां के दिहाड़ी मजदूरों की मजदूरी, अंशकालिक/पूर्णकालिक श्रमिकों के वेतनमान, और भारतीय कानूनों से अधिकारियों/उद्योगपतियों के खिलवाड़ से पूरी श्रम व्यवस्था विस्फोटक कगार पर खड़ी है। शहरों में बढ़ता झुग्गी-झोपड़ी कल्चर किसी नैतिक महामारी जैसा प्रतीत होता है।

सुलगता सवाल है कि निजी क्षेत्र में कितने लोगों को नियुक्ति पत्र, पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, सामूहिक स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और पेंशन आदि की सुविधाएं निजी कम्पनियों में मिलती है। प्रोपर्टी इंडस्ट्री की तरह आधा ब्लैक सैलरी और आधा व्हाइट सैलरी वाली आंखों में धूल झोंकने वाली व्यवस्था से खुफिया तंत्र अनजान क्यों है? सरकारी क्षेत्रों की तरह आवासीय सुविधाओं से निजी क्षेत्र के श्रमिकों को वंचित क्यों रखा जाता है? नौकरी बाजार में श्रम ठेकेदार पैदा करने से किसके हित सधते हैं? सवाल अनेक हैं, लेकिन उत्तर एक- राजनीतिक, प्रशासनिक और औद्योगिक सांठगांठ से जारी नीतिगत भ्रष्टाचार एक लाइलाज बीमारी है, जो किसी बड़ी जनक्रांति के बाद ही करवट लेगी।

जरा कल्पना कीजिए कि जब नरेंद्रमोदी सरकार और योगी आदित्यनाथ की सरकार में ऐसी मजदूर विरोधी परिस्थिति है तो पूर्व की सरकारों में कैसा जंगलराज रहा होगा, विचारणीय पहलू है। मजदूर शोषण कांड की एसआईटी और न्यायिक जांच होनी चाहिए, क्योंकि आम भारतीयों के भविष्य के साथ एफडीआई आकर्षित करने के चक्कर में घोर अन्याय हो रहा है, जिससे बचे जाने की जरूरत है। अब नोएडा में मजदूरों के हिंसक आंदोलन के राजनीतिक निहितार्थ की बात करते हैं। चूंकि नोएडा में मजदूरों का हिंसक आंदोलन वेतन वृद्धि की मांग पर केंद्रित है, जो हरियाणा की 35 प्रतिशत न्यूनतम मजदूरी बढ़ोतरी से प्रेरित है। लिहाजा, योगी सरकार को तुरंत इसे लागू करना चाहिए। बताया गया कि यह प्रदर्शन फेज-2 होजरी कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर पूरे नोएडा में फैल गया, जहां पेशेवर विपक्षी आंदोलनों के तर्ज ओर तोड़फोड़ और आगजनी हुई।

आंदोलन के पृष्ठभूमि की यदि बात की जाए तो मजदूर न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम भत्ते की मांग कर रहे हैं। चूंकि हरियाणा से जुड़े एक फैसले ने उत्तर प्रदेश के मजदूरों में असंतोष पैदा किया, क्योंकि यहां अनस्किल्ड वर्कर को 15,000 से कम वेतन मिलता है। यही वजह है कि योगी सरकार ने संवाद के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की है और अविलंब इसके निर्णयों को लागू करने की जरूरत है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम?

(उमेश चतुर्वेदी)

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं।

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। भारत खबर अपडेट

मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी।

लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है।

त्रिवेणी गौशाला की पहलः हर घर से गौमाता तक पहुंचेगी पहली रोटी

गाय की वाहन से हर वार्ड से जुटेगा गौ ग्रास, उपलब्ध होंगे गौ उत्पाद

बैतूल। गौसेवा को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से त्रिवेणी गौशाला समिति झगड़िया ने पहली रोटी गाय की सेवा प्रकल्प का शुभारंभ किया है।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजेश मेहता ने कहा कि सनातन संस्कृति में भोजन से पहले गाय का हिस्सा निकालने की परंपरा रही है। पहली रोटी गाय की प्रकल्प उसी भाव को पुनः जागृत करने का प्रयास है, ताकि कोई भी गौमाता भूखी न रहे। इस प्रकल्प के तहत अब शहर के कई वार्ड से गौमाता के लिए गौ ग्रास एकत्र किया जा रहा है।

समिति द्वारा इसके लिए एक विशेष वाहन शुरू किया गया है, जो प्रतिदिन सुबह तय समय पर वार्ड में पहुंचकर श्रद्धालुओं के घरों से गाय के लिए निकाली गई पहली रोटी, सूखी सब्जी एवं अन्य गौ ग्रास एकत्र कर रहा है। एकत्र किया गया समस्त ग्रास सीधे त्रिवेणी गौशाला पहुंचाकर गौमाता को अर्पित किया जाता है।

सेवाभाव से उपलब्ध हो रहे शुद्ध गौ उत्पाद- समिति के वरिष्ठ संचालक दीपक कपूर ने कहा कि 'यह केवल गौ ग्रास नहीं, श्रद्धा का संग्रह है। हमारा लक्ष्य हर घर को गौसेवा से जोड़ना है। गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए

समिति द्वारा शुद्ध गौ घृत, गौ झरण अर्क, पंचगव्य निर्मित धूप अगरबत्ती, गोबर के कंडे दीपक एवं अन्य गौ उत्पाद भी सेवाभाव से वाहन में कम दरों पर आमजन के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनसे प्राप्त राशि का उपयोग गौशाला में संरक्षित गौवंश के चारे, पानी व चिकित्सा व्यवस्था में किया जाएगा। जिले की जनता एक बार सहपरिवार गौशाला पधारकर अवलोकन करें।

शहरवासियों का मिल रहा प्रतिसाद- समाजसेवी राजेश मदान सहित अन्य स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे नई पीढ़ी भी गौसेवा के संस्कार से जुड़ेगी। शहरवासियों से अपील की गई है कि वे प्रतिदिन पहली रोटी गाय के लिए अवश्य निकालें।

कोषाध्यक्ष रामराव वराठे ने आग्रह किया कि यदि कोई दानदाता गौशाला में दान राशि से सहयोग करना चाहते है वें वाहन चालक को राशि देकर रसीद प्राप्त कर सकते है। इस अवसर पर समिति संचालक तनुज शाह, मनीष ठाकुर, समाजसेवी राजेश मदान, उपाध्यक्ष पंजाबराव मगरदे, कोषाध्यक्ष रामराव वराठे, प्रबंधक अनिल पंवार, कमलेश अमरूते सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम सुश्री बघेल ने उपार्जन केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

हरदा,(निप्र)। समर्थन मूल्य पर फसल उपार्जन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से बुधवार को खिरकिया एसडीएम सुश्री शिवांगी बघेल ने क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केंद्रों का औचक भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान एसडीएम ने उपार्जन केंद्रों पर अनाज की तुलाई, गुणवत्ता परीक्षण और भंडारण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

21 स्व-सहायता समूहों को उपार्जन कार्य की जिम्मेदारी, महिला सशक्तिकरण के साथ पारदर्शी व्यवस्था की ओर कदम

विदिशा,(निप्र)। विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर फसलों के उपार्जन कार्य को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं सहभागी बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष 21 स्व-सहायता समूहों को उपार्जन केंद्रों के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह पहल न केवल उपार्जन प्रक्रिया को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर चयनित स्व-सहायता समूहों द्वारा पंजीयन सत्यापन, तौल व्यवस्था, रिकॉर्ड संधारण एवं किसानों को आवश्यक मार्गदर्शन जैसे कार्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया जा रहा है। इन समूहों को प्रशासन द्वारा पूर्व में प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वे उपार्जन प्रक्रिया की बारीकियों को समझते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकेंगे। उपार्जन कार्य में स्व-सहायता समूहों की सहभागिता से जहां एक ओर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर किसानों को भी अधिक सुगम एवं पारदर्शी सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। समूहों की सक्रिय भागीदारी से केंद्रों पर अनुशासन, समयबद्धता और व्यवस्था में भी सुधार देखा जा रहा है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में यह नवाचार जिले में सफलतापूर्वक लागू किया गया है। प्रशासन द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी केंद्रों पर कार्य सुचारू रूप से संचालित हो और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उल्लेखनीय है कि इस पहल के माध्यम से शासन की मंशा के अनुरूप 'आत्मनिर्भर समूह, सशक्त किसान' की अवधारणा को साकार किया जा रहा है। आने वाले समय में यह मॉडल अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है, जहां सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से शासकीय कार्यों को प्रभावी बनाया जा सके।

1कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने नटेरन एवं ताज खजुरी का किया निरीक्षण, विभिन्न शासकीय सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी

विदिशा,(निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज नटेरन विकासखंड मुख्यालय सहित ग्राम ताज खजुरी का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, छात्रावास, आंगनबाड़ी केंद्र, उपार्जन केंद्र, उचित मूल्य दुकान एवं खाद विक्रय केंद्रों के माध्यम से आमजन को प्रदान की जा रही सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने शासकीय स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था एवं शैक्षणिक गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। स्वास्थ्य केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपलब्ध दवाइयों, स्टाफ की उपस्थिति एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। छात्रावास एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार, स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर गेहूं खरीदी की व्यवस्था, किसानों की सुविधा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उचित मूल्य दुकानों एवं खाद विक्रय केंद्रों पर भी उन्होंने स्टॉक, वितरण प्रणाली एवं पात्र हितग्राहियों को मिल रही सामग्री की जांच की।कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जमीनी स्तर पर कार्य सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैतूल में अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने निकाली जागरूकता रैली

प्रदीपन संस्था और महिला बाल विकास विभाग का संयुक्त अभियान

बैतूल। प्रदीपन संस्था द्वारा एक्सीस टू जस्टिस परियोजना के अंतर्गत अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के उद्देश्य से महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जनपद पंचायत शाहपुर में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व जनपद पंचायत सीईओ फिरदौस शाह ने किया। हिंदू परंपरा में अक्षय तृतीया को विवाह के लिए शुभ तिथि मानने के कारण इस दिन बाल विवाह की आशंका को देखते हुए प्रशासन और संस्था द्वारा गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

रैली के बाद जनपद सभा कक्ष में कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी स्नेहा यादव सहित 210 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सुपरवाइजर मौजूद रहीं। प्रदीपन संस्था की काउंसलर दीपमाला खातरकर ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका और 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कराना कानूनी अपराध है।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह कराने पर संबंधित परिवार को 2 वर्ष तक का कठोर कारावास और एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। साथ ही ऐसे विवाह में शामिल होने वाले माता-पिता, रिश्तेदार, कैटरिंग, बैंड-बाजा सहित अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां बाल विवाह की सूचना तत्काल दी जा सकती है। बाल विवाह निषेध अधिकारी, ग्राम पंचायत और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी जानकारी देकर ऐसे विवाह रोकने के प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रदीपन संस्था की अलका नागले, पूनम अतुलकर, ज्योति बागवे, विशाल आर्य और रवि शंकर चवारे भी उपस्थित रहे।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के समर्थन में सौंपा ज्ञापन

आदिवासी कांग्रेस ने लगाए मुआवजा और पुनर्वास में अनियमितताओं के आरोप

बैतूल। केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित पन्ना और छतरपुर जिले के आदिवासी परिवारों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर मप्र आदिवासी कांग्रेस ने गुरुवार को महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर बैतूल को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में परियोजना से विस्थापित सैकड़ों आदिवासी परिवारों के पुनर्वास और मुआवजे को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि परियोजना निर्माण के चलते पन्ना और छतरपुर के कई आदिवासी परिवार बेघर हो गए हैं, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा न तो भूमि अधिग्रहण कानून की निर्धारित धाराओं 11, 15, 18, 19 और 21 का समुचित पालन किया गया और न ही प्रभावितों को वैधानिक मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा दी गई। ग्राम सभा की प्रक्रिया को भी नजरअंदाज करने का आरोप लगाया गया है। आदिवासी कांग्रेस ने मांग की है कि प्रभावित परिवारों को जमीन के बदले जमीन दी जाए और परिवार के प्रत्येक सदस्य को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे पीड़ित परिवारों को भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है, जो अमानवीय है। ज्ञापन में बताया गया कि बीते 9 दिनों से प्रभावित आदिवासी परिवार भूख हड़ताल पर बैठे हैं और 'मृत्यु दो या न्याय दो' के नारे के साथ प्रतीकात्मक चिता पर लेटकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वच्छता की पाठशाला का किया आयोजन

ब्रांड एम्बेसेडर ने बच्चों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

बैतूल। नगर पालिका परिषद बैतूल की स्वच्छता टीम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत आज नगर पालिका सीएमओ नवनीत पांडे के निर्देशन में नगर के एलएफएस स्कूल में स्वच्छता की पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छता की ब्रांड एंबेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग, स्वच्छता निरीक्षक संतोष धनेलिया, स्कूल मैनेजमेंट स्टाफ, क्लास टीचर, ओम साई विजन टीम एवं बच्चे उपस्थित रहे। पाठशाला में स्वच्छता निरीक्षक श्री धनेलिया ने बच्चों को स्वच्छता की जानकारी दी। गीले एवं सूखे कचरे की जानकारी दी।

श्रीमती नेहा गर्ग ने घरों से निकलने वाले कबाड़ को कैसे पुनः उपयोग किया जाए कि जानकारी दी और स्वयं के निवास पर कबाड़ से बनाए गए विभिन्न गमलों में पौधे लगाने के बारे में बताया और यह भी बताया कि ऐसी छोटी-छोटी चीजों का उपयोग कर आप अपने घर में भी रख सकते हैं। स्कूल के वरिष्ठ व्याख्याता जीपी भट्ट ने अपने उद्बोधन में स्वच्छता को लेकर शाला के विद्यार्थियों को कई जानकारी दी और शाला प्रांगण और अपने घर को भी स्वच्छ रखने की भी अपील की है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता की शपथ ली कि सभी अपने आस पास स्वच्छता बनाए रखेंगे।

कार्यक्रम में स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग, स्वच्छता निरीक्षक संतोष धनेलिया, ओम साई विजन टीम के लवीश परदेशी, आशीष गलफट, मयूर सोनटक्के, दीपक शर्मा, पवन पवार, पुनीत साहू, राम सोनी, अनिल पवार, तुषार यादव, शुभम सोनी, अभिलाष सोनी, विजय जायसवाल सहित स्कूल के वाइस प्रिंसपल संजय, जीपी भट्ट, श्वेता भट्ट, शेरीला संजय, अरूणा पाटनकर, रंजना सोनी, नीलेश वर्मा, दीपक, अनिरूद्ध जोशी सहित अन्य मौजूद थे।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ाः छात्राओं में नेतृत्व, आत्मरक्षा और सशक्तिकरण का संचार

विदिशा,(निप्र)। राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग एवं कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार 10 से 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं की राजनीतिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ उनकी नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी अहिरवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस पखवाड़े के अंतर्गत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी की शिक्षाविद् डॉ. अनीता शाक्य द्वारा 'नारी शिक्षा के विभिन्न आयाम' विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिससे छात्राओं को शिक्षा के महत्व और अवसरों की गहन जानकारी

प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं आत्मरक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय ब्लैक गोल्ड बेल्ट खिलाड़ी श्रीमती सोनम ठाकुर द्वारा जूडो-कराते का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं की सुरक्षा का संकल्प भी दिलाया गया। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सामाजिक कार्य के क्षेत्र में कार्यरत श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर ने छात्राओं को कार्यस्थल पर लैंगिक समानता एवं महिला सुरक्षा विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. नीता पांडे ने नारी शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं संचालन डॉ. विनीता प्रजापति द्वारा किया गया। मेंटल हेल्थ क्लब की प्रभारी प्रो. नीतू दांगी ने आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रो. नीता दीक्षित, डॉ. मनोज अहिरवार, श्रीमती अदिति तिवारी, शकुन अहिरवार सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों के साथ बैठकर जनगणना क्रियान्वित बिन्दुओ को जाना

विदिशा,(निप्र)। जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने प्रशिक्षणार्थियों के साथ बैठकर जनगणना कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की खासकर मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दी जा रही जानकारी को बारीकी से परीक्षण किया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रशिक्षणार्थियों से सीधे संवाद करते हुए स्व-गणना प्रक्रिया, आंकड़ों की शुद्धता, समय-सीमा के पालन एवं फील्ड स्तर पर आने वाली संभावित चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक प्रगणक एवं पर्यवेक्षक की भूमिका अहम होती है।

जिले में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना (ैमसर्ि म्दनउमतंजपवद) की प्रक्रिया संचालित की जाएगी, जिसके अंतर्गत नागरिक स्वयं अपने परिवार से संबंधित जानकारी ऑनलाइन माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इसके पश्चात 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण (भ्वनेम स्पेजपदह) का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्यों के सफल संपादन हेतु चार्ज स्तर के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए नटेरन स्थित संदीपनी हाई स्कूल में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में जनगणना से संबंधित तकनीकी पहलुओं, प्रपत्रों के सही भराव, मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग तथा फील्ड कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जा रही है।

प्रशासन ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से अपेक्षा की है कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग करते हुए जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न करें, जिससे जिले की सटीक एवं विश्वसनीय जनसंख्या आंकड़े तैयार हो।

अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने राधास्वामी वेयरहाउस गेहूं उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

विदिशा,(निप्र)। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज राधास्वामी वेयरहाउस स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समर्थन मूल्य पर हो रहे गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया, किसानों की सुविधाओं तथा केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

अपर कलेक्टर श्री डामोर ने केंद्र पर किसानों के पंजीयन, स्लॉट बुकिंग, तौल व्यवस्था, गुणवत्ता परीक्षण एवं भंडारण व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित किसानों से चर्चा कर उपार्जन प्रक्रिया में आ रही समस्याओं की जानकारी ली और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्र पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था तथा समय पर तौल सुनिश्चित की जाए। साथ ही गेहूं की गुणवत्ता परीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी एवं नियमानुसार संचालित करने पर जोर दिया।

अपर कलेक्टर ने वेयरहाउस में भंडारित गेहूं की सुरक्षा एवं रख-रखाव की स्थिति का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार किसानों को सुगम एवं पारदर्शी उपार्जन व्यवस्था उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

शासन के निर्देशों के अनुरूप ही हो समर्थन मूल्य पर खरीदी

परिवहन और उठाव व्यवस्था में निरंतरता बनी रहे : कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा

कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिला उपार्जन समिति की बैठक के दौरान दिए महत्वपूर्ण निर्देश

नर्मदापुरम,(निप्र)।10:55 ढ्ढस्ञ्च

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिले में संचालित गेहूं उपार्जन कार्य को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी आवश्यक दिशा-निर्देश उपार्जन कार्य में संलग्न प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी तक क्रमवार विस्तारपूर्वक प्रसारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारू एवं चाक-चौबंद रहें, यह सुनिश्चित किया जाए।

जिला उपार्जन समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि उपार्जन के दौरान प्रत्येक विकासखंड में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर स्लॉट बुकिंग तथा अन्य आवश्यक सूचनाओं आई जानकारी एसएमएस के माध्यम से मिलती रहे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मद्देनजर अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अचानक मौसम परिवर्तन की स्थिति में उपार्जित गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल, शेड तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि उपार्जित स्कंध का नियमित परिवहन निरंतर जारी रखा जाए। उठाव के लिए अनुबंधित परिवहन फर्म के पास उपलब्ध वाहनों की संख्या का आकलन किया जाए तथा उनके नियमित रोटेशन की मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि समर्थन मूल्य पर की जा रही खरीदी में गेहूं की तुलाई, उठाव एवं स्टैकिंग के लिए हम्मालों एवं अन्य संसाधनों की किसी भी प्रकार की कमी न हो। साथ ही किसानों को उपज विक्रय के पश्चात भुगतान समय पर और शीघ्रता से किया जाए, इसके लिए जिला एवं खंड स्तरीय समितियां नियमित निगरानी करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी उपार्जन केंद्रों पर शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही खरीदी की जाए तथा केवल एफएक्यू (उचित औसत गुणवत्ता) स्तर के गेहूं का ही उपार्जन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान डिप्टी कलेक्टर तथा प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी, उपसंचालक कृषि श्री रविकांत सिंह, डीआरसीएस श्री शिवम मिश्रा सहित जिला उपार्जन समिति के अन्य सदस्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

टेंडर में अडानी समूह पर नियम तोड़ने के लगे थे आरोप, अब सीसीआई ने सुना दिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह से जुड़ी एक अहम खबर है। दरअसल, सीसीआई ने अपने आदेश में कहा कि देश का बिजली उत्पादन बाजार कई बड़ी सार्वजनिक एवं निजी कंपनियों से मिलकर बना है और अडानी समूह प्रथम दृष्टया इस बाजार में प्रभुत्वशाली नहीं लगता है। गौतम अडानी समूह के लिए एक अहम खबर है। दरअसल, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने गुरुवार को अडानी समूह की कंपनियों, एज्योर पावर और अन्य के खिलाफ एक सोलर एनर्जी टेंडर में कथित तौर पर

प्रतिस्पर्धा-रोधी आचरण से जुड़ी शिकायत खारिज कर दी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी ग्रीन एनर्जी फोर लिमिटेड, गौतम अडानी, सागर अडानी, एज्योर पावर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) एवं कई अन्य इकाइयों ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है। निजी कंपनियों से मिलकर बना है और अडानी समूह प्रथम दृष्टया इस बाजार में प्रभुत्वशाली नहीं लगता है। सीसीआई ने आदेश में कहा- भारत के बिजली उत्पादन बाजार में एनटीपीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा पावर, टोरेंट पावर और रिलायंस पावर जैसी कई महत्वपूर्ण कंपनियां मौजूद हैं।

86 प्रतिशत बढ़ा कंपनी प्रॉफिट, शेयरों को खरीदने की मची होड़, 4 प्रतिशत उछला भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी एंजल वन लिमिटेड के शेयरों का भाव आज शुक्रवार

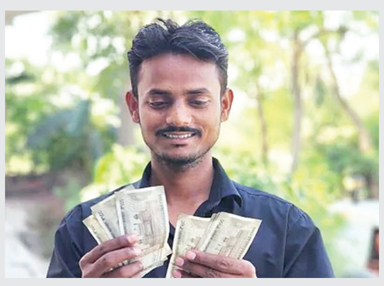

की सुबह 300 रुपये के पार पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह चौथी तिमाही के नतीजे हैं। इस दौरान कंपनी के नेट प्रॉफिट में 84 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर एंजल वन का प्रॉफिट 19 प्रतिशत बढ़ा है। बीएसई में आज शुक्रवार को एंजल वन लिमिटेड का शेयर भारी बढ़त के साथ 304.80 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 305 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि उनका प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 320 करोड़ रुपये रहा है। यह साल दर साल की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर अगर देंखे तो यह 19 प्रतिशत अधिक है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान एंजलवन लिमिटेड का रेवन्यू 1467 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 39 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर 10 प्रतिशत अधिक है। मार्च तिमाही में कंपनी का कुल ऑर्डर 43.1 करोड़ रहा है। यह दिसंबर तिमाही की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के ग्राहकों की संख्या भी बढ़कर 3.74 करोड़ हो गई है। मौजूदा समय में एंजल वन लिमिटेड पर भारत 16.70 प्रतिशत डिमैट अकाउंट है। महज दो हफ्ते में एंजल वन लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 24.44 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह स्टॉक 19.99 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 27.18 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस दौरान संसेक्स इंडेक्स में 0.26 प्रतिशत की गिरावट आई है। तीन साल में एंजल वन लिमिटेड के शेयरों का भाव 135 प्रतिशत बढ़ा है।

ईरान-इजरायल युद्ध ने बिगाड़ा भारत के पर्यटन उद्योग का गणित, 18,000 करोड़ का घाटा!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध में भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री भी घायल है। जी हां, बाहर से भारत घूमने आने वाले पर्यटकों की संख्या में इस वजह से 15 से 20 फीसदी की गिरावट हुई है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने से फ्लाइट्स की कमी तो हुई ही, उनके रूट्स पर भी असर पड़ा। इस वजह से पूरी अर्थव्यवस्था को 18,000 करोड़ रुपये की चपत लती है। उद्योग संगठन पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की कल ही शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी हुई है। इसमें बताया गया है कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15 से 20 की कमी हुई है। इसके अनुसार, संघर्ष के कारण पैदा हुई बाधाओं के चलते एविशन इंडस्ट्री, होटल एवं रेस्टोरेंट इंडस्ट्री के साथ-साथ पर्यटन से जुड़े लॉजिस्टिक सेक्टर और सर्विस सेक्टर भी प्रभावित हुए हैं।

एविएशन इंडस्ट्री हुआ परेशानन जब से पश्चिम एशिया में हालात बिगड़े हैं, फ्लाइट्स के कई रूट्स बंद हो गए। कुछ रूट्स में बदलाव करना पड़ा जिससे उनके फ्लाइट टाइम में दो से चार घंटे की बढ़ोतरी हो गई। इसी

समय हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की कीमतें भी दूनी हो गई। इस वजह से एविएशन इंडस्ट्री का ऑपरेशन कॉस्ट काफी बढ़ गया। आपको बताते चलें कि किसी भी एयरलाइन के ऑपरेटिंग कॉस्ट में फ्यूल की हिस्सेदारी 35 से 40 फीसदी होती है। तभी तो एविएशन कंपनियों को जबरन किराया भी बढ़ाना पड़ा है। हालांकि, इसी दौरान अपना घरेलू एविएशन सेक्टर में भारी विस्तार हुआ है। इस समय हर रोज करीब पांच लाख यात्री हवाई जहाज में सफर कर रहे हैं।

4 करोड़ लोगों को रोजगार: पीएचडीसीसीआई की इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी सेक्टर का अर्थव्यवस्था में भारी योगदान है। भारत के जीडीपी में इन सेक्टर्स की करीब आठ फीसदी की हिस्सेदारी है। साथ ही करीब चार करोड़ लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। पिछले साल इस इंडस्ट्री में शानदार शेप की रिकवरी हुई थी। तभी तो ब्रांडेड होटल की इंवेंट्री करीब दो लाख कमरे तक हो गए थे। लेकिन विदेशी पर्यटकों की कम आवक से इनका धंधा प्रभावित हुआ है। पश्चिम एशिया संकट से सिर्फ ब्रांडेड होटल का ही धंधा नहीं घटा बल्कि रेस्टोरेंट और फूड सर्विस सेगमेंट पर भी दवाब बढ़ा है।

5 स्टॉक्स पर लगाएं दांव, इंट्रेडे के लिए सुमित बगड़िया हैं बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। नियोजेन केमिकल्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और आईएफसीआई इन पांचों शेयरों में टेक्निकल आधार पर तेजी के संकेत मिल रहे हैं। सही रणनीति के साथ इन स्टॉक्स में शॉर्ट टर्म में अच्छे मौके मिल सकते हैं। मार्केट एक्सपर्ट सुमित बगड़िया ने शुक्रवार, 17 अप्रैल के लिए पांच ऐसे शेयर बताए हैं, जिनमें शॉर्ट टर्म में तेजी देखने को मिल सकती है। इन स्टॉक्स में टेक्निकल ब्रेकआउट और मजबूत मोमेंटम नजर आ रहा है। इनमें नियोजेन केमिकल्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और आईएफसीआई शामिल हैं। नियोजेन केमिकल्स 1502 के आसपास है और चार्ट पर मजबूत ब्रेकआउट दिखा रहा है। शेयर ने अपने सभी प्रमुख इएमए (20, 50, 100 और 200) को पार कर लिया है, जो ट्रेंड बदलने का संकेत देता है। आरएसआई भी 66 के ऊपर है, जिससे खरीदारी का मजबूत संकेत मिल रहा है। अगर यह तेजी बनी रहती है, तो शेयर 1610 तक जा सकता है।

गोल्ड स्टॉक्स 1 महीने में 25 प्रतिशत तक उछले, अक्षय तृतीया से पहले ज्वेलरी की एडवांस बुकिंग में भी उछाल

उछल रहे ज्वेलरी कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया से पहले ही कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, टाइटन कंपनी, पीसी ज्वैलर और सेंको गोल्ड जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल है। ज्वेलरी सेक्टर ने वित्त वर्ष 2027 की मजबूत शुरुआत की है। 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया और चल रहे शादी के मौसम से पहले एडवांस बुकिंग जोरों पर है। अक्षय तृतीया 2026 को आने में महज दो दिन शेष हैं और सोने-चांदी के गहने बेचने वाली कंपनियों के शेयर उछल रहे हैं। पिछले एक महीने में जहां ईरान युद्ध, तेल की कीमतों में उछाल, मजबूत होता डॉलर और बढ़ती महंगाई की आशंकाओं ने भारतीय शेयर बाजार को बेचैन कर रखा है, वहीं इन सबके बीच ज्वेलरी सेक्टर के शेयर दमदार प्रदर्शन करते नजर आए हैं। कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, टाइटन कंपनी, पीसी ज्वैलर और सेंको गोल्ड जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों ने मात्र एक महीने में ही 25 प्रतिशत तक की छलांग लगा दी है। इस दौरान निफ्टी में महज 3.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में इस तेजी की मुख्य वजह शादियों और त्योहारों के मौसम में मजबूत मांग बनी हुई है। रिकॉर्ड स्तर पर सोने की कीमतें होने के बावजूद ग्राहकों का खर्च कम नहीं हुआ है। साथ ही स्टोर सेल भी शानदार सुधार देखने को मिला है। मार्च तिमाही में इस सेक्टर की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर 32 से 124 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह तेजी आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। चल रहे शादी के मौसम में दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है और 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया का त्योहार आने वाला है, जिससे मांग और बढ़ने की संभावना है। देश की सबसे बड़ी लिस्टेड ज्वेलरी कंपनी टाइटन ने मार्च 2026 तिमाही में सालाना आधार पर 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह वृद्धि 25 प्रतिशत थी। स्टोरों की बिक्री में भी जबरदस्त सुधार हुआ और यह एक साल पहले के 15 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गई। अन्य कंपनियों का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा।

वैल्यू एडिशन से किया कमाल

इंटरव्यू तक पहुंचे, फिर तैयारी छोड़कर शुरू किया ऐसा काम कि अब सालाना 95 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मिथिलेश देसाई महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले से हैं। उन्होंने साबित किया है कि आधुनिक तकनीक और सही विजन से खेती को फायदेमंद बिजनेस बना सकते हैं। कभी यूपीएससी के इंटरव्यू राउंड तक पहुंचने के बाद उन्होंने एक साहसी फैसला लिया। आगे तैयारी छोड़कर मिथिलेश ने पिता के कटहल उत्पादन के सपने को चुना। आज 'जैकफ्रूटकिंग एग्रो' के जरिये वह 95 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां मिथिलेश देसाई की सफलता के सफर के बारे में जानते है। मिथिलेश देसाई ने महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली में दो साल तक उन्होंने यूपीएससी की तैयारी की। साल 2016 में वह अपने दूसरे प्रयास में इंटरव्यू राउंड तक पहुंचे। लेकिन, फाइनल सेलेक्शन नहीं हुआ। इसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि कृषि स्नातक होने के नाते उनका असली योगदान प्रशासनिक कार्यालयों के बजाय खेतों में होना चाहिए। जब उन्होंने देखा कि ज्यादातर एग्री-ग्रेजुएट खेती छोड़कर नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो उन्होंने अपने पिता हरीश चंद्र देसाई के साथ मिलकर कटहल की व्यावसायिक खेती शुरू करने का फैसला लिया। शुरुआती सफर

आसान नहीं था। जब मिथिलेश ने खेती का रास्ता चुना तो पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने उन्हें 'गैर-जिम्मेदार' और 'पागल' तक कहा। यहां तक कि बैंकों ने उनके 25 लाख रुपये के लोन आवेदन को यह कहकर खारिज कर दिया कि कटहल कोई व्यावसायिक फसल नहीं है। लेकिन, मिथिलेश और उनके पिता डटे रहे। उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की। इंटरनेशनल सेमिनार अटेंड किए। कटहल की 128 ग्लोबल किस्मों पर रिसर्च किया। आज वह अपनी 5 एकड़ जमीन पर कटहल की 88 से अधिक किस्मों को उगा रहे हैं। 2020 में शुरू हुई 'जैकफ्रूटकिंग एग्रो' सिर्फ कटहल नहीं बेचती है। इसका बिजनेस मॉडल'वैल्यू एडिशन' पर आधारित है। कंपनी ने 5-10 रुपये में बिकने वाले कटहल को अपनी प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए 1,000 रुपये की वैल्यू वाले उत्पादों में बदल दिया है। इनमें वीगन मीट, बर्गर पैटीज, चिप्स, डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए कटहल पाउडर और पशुओं के लिए पौष्टिक चारा शामिल है। मिथिलेश की नर्सरी सालाना 35,000 ग्राफ्टेड पौधों की सप्लाई करती है। वह महाराष्ट्र के 1,000 से अधिक किसानों से सीधे जुड़े हुए हैं।

कच्चा तेल 130 पहुंचा, तब भी नहीं रुकेगी भारत की रफ्तार, एस एंड पी रेटिंग्स ने माना इकॉनमी का लोहा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया के संकट के बीच अगर इस वित्त वर्ष में कच्चे तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल भी पहुंच जाती है, तो भी भारत 6.3 प्रतिशत की रफ्तार से तरक्की करेगा। एजेंसी ने यह भी साफ किया कि तेल की कीमतों में उछाल से पड़ने वाले बोझ का भारत की 'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' (देश की साख) पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। इसकी वजह यह है कि भारत लंबे समय में अपने राजकोषीय घाटे को कम करने और सरकारी खजाने को मजबूत बनाए रखने के लिए राजनीतिक रूप से पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डायरेक्टर (सॉवरेन रेटिंग्स) यी फर्न फुआ ने एक वेबिनार में बताया कि अगर हम सामान्य हालात मानकर चलें और कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति

बैरल रहता है, तो भारत वित्त वर्ष 2026-27 में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल तक चली जाती है, तब भी भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहेगी। यह दर तब भी दुनिया की बड़ी इकॉनमीज में सबसे ज्यादा होगी। फुआ ने कहा, ''दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा अभी भी बहुत मजबूत है। वैकल्पिक परिदृश्य में भी, अगर मैं कहूं कि औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो भी हम 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देख रहे हैं। ऐसे में भी भारत की वृद्धि दर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी।'' एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान, जिससे ईंधन या उर्वरक जैसे संबंधित उत्पादों की कमी होती है, एक जोखिम होगा।

दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा अभी भी बहुत मजबूत है। वैकल्पिक परिदृश्य में भी, अगर मैं कहूं कि औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो भी हम 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देख रहे हैं।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मामले से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, यह योजना इसलिए बनाई जा रही है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ गई हैं और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे हालात में आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ सकता है। यह प्रस्ताव उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के स्तर पर विचाराधीन है। दाल, प्याज, आलू और टमाटर जैसी जरूरी चीजों के लिए स्थिरता कोष साल 2015 में शुरू किया गया था। जब इन चीजों की कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं तो सरकार इस फंड से सामान खरीदकर बाजार में बेचती है, जिससे कीमतें नियंत्रण में रहती हैं। अब सरकार इसी तरह का फंड पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के लिए बनाना चाहती है। हाल ही में वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक में इस पर चर्चा हुई है। सरकार इस फंड के जरिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का एक तय मात्रा में भंडार (रिजर्व) तैयार करेगी। इसके लिए तेल रिफाइनरी कंपनियों के साथ समझौते किए जाएंगे। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें अचानक बढ़ेंगी या सप्लाई बाधित होगी, तब इस भंडार को बाजार में जारी किया जाएगा, जिससे कीमतों पर दबाव कम होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

भारत पर रखिए नजर, अमेरिका हो या ईरान सभी से रिश्ते, कियोसाकी ने समझाया नई दिल्ली का किरदार

नई दिल्ली, एजेंसी। जाने-माने लेखक और दिग्गज निवेशक रॉबर्ट कियोसाकी ने बदलते भू-राजनीतिक हालातों में भारत के किरदार को समझाया है। उन्होंने भारत के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए दुनिया से इस पर करीब से नजर रखने की अपील की है। रिच डैड पुअर डैड के लेखक ने बताया है कि आखिर ईरान में जारी संघर्ष के बीच नई दिल्ली ग्लोबल डिप्लोमेसी में क्यों लगातार केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हाल ही में हुई फोन कॉल के बाद उन्होंने अपनी राय जाहिर की। कियोसाकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें कियोसाकी ने कहा कि ट्रंप-मोदी के बीच यह बातचीत लगभग 40 मिनट तक चली। इस साल इन दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बातचीत थी। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद से यह दूसरी थी। उन्होंने आगे कहा कि यह बातचीत बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में समाप्त हुई। ट्रंप के शब्दों को कोट करते हुए बताया, 'मैं बस आपको यह बताना चाहता हूं कि हम सभी आपसे बहुत प्यार करते हैं।' कियोसाकी ने ईरान और इजरायल दोनों में अपनी आर्थिक माजूदगी के जरिये भारत की अद्वितीय स्थिति को हाईलाइट किया। ईरान और

इजरायल दोनों ही इस संघर्ष में आमने-सामने हैं। ईरान में भारत ओमान की खाड़ी में स्थित चाबहार बंदरगाह के 'शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल' को ऑपरेट करता है। इस परियोजना में 55 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है। इसके संचालन के लिए 10 साल का समझौता है। यह बंदरगाह सेंट्रल एशिया तक भारत की व्यापक कनेक्टिविटी योजनाओं का भी एक हिस्सा है। इजरायल में अडानी ग्रुप ने 1.2 अरब डॉलर में हाइफा बंदरगाह का अधिग्रहण किया है। भूमध्य सागर पर स्थित यह बंदरगाह पूरी तरह से चालू है। इस क्षेत्र में इसे एक प्रमुख रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखा जाता है। कियोसाकी के अनुसार, भारत का प्रभाव इस बात से दिखता है कि वह इस संघर्ष में शामिल लगभग सभी पक्षों के साथ कामकाजी संबंध बनाए रखने में सक्षम है। इनमें अमेरिका, ईरान, इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, रूस और चीन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संकट के शुरुआती 48 घंटों में मोदी ने कूटनीतिक स्तर पर जोरदार सक्रियता दिखाई। उन्होंने पश्चिम एशिया के कई नेताओं से बातचीत की। इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से और बाद में ट्रंप से भी बातचीत की। कियोसाकी ने मोदी और पेजेश्कियन के बीच हुई बातचीत का भी जिक्र किया। इसमें भारत ने ईरान के साथ अपने संबंधों की दोबारा पुष्टि की थी। उन्होंने बताया कि तेहरान ने भारत के 'संतुलित और रचनात्मक रुख' की सराहना की। नई दिल्ली को ब्रिक्स में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका का फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। वर्तमान में ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है। यह वैश्विक स्तर पर समीकरणों में आ रहे बदलावों के इस दौर में भारत की कूटनीतिक स्थिति को और भी अधिक मजबूत बनाता है। व्यापक जुड़ाव के बावजूद भारत ने सार्वजनिक तौर पर एक नपा-तुला रुख बनाए रखा है। कियोसाकी ने गौर किया कि नई दिल्ली ने शांति और बातचीत का आह्वान किया है।

मुकेश अंबानी को पछाड़कर गौतम अडानी बने एशिया के सबसे बड़े रईस

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने हमवतन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ अब 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 8.10 अरब डॉलर की तेजी आई है। इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में मामूली गिरावट रही। सेंसेक्स 123 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। लेकिन अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी रही। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.56 अरब डॉलर की तेजी आई। वहीं अंबानी की नेटवर्थ 76.7 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। रिलायंस का शेयर कल लगभग सपाट बंद हुआ था। अंबानी एशिया में दूसरे और दुनिया में 20वें नंबर पर हैं। इस साल दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से 7 की नेटवर्थ में गिरावट आई है। फ्रांसीसी बिजनसमैन बर्नार्ड आरनॉल्ट ने सबसे ज्यादा 44 अरब डॉलर गंवाए हैं। इस लिस्ट में आरनॉल्ट के अलावा स्टीव बालमर, ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन, माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स, जाने माने निवेशक वॉरेन बफे, स्पेन के दिग्गज एमेनशियो ओर्टेगा और मुकेश अंबानी शामिल हैं। एलन मस्क 656 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। इस

साल उनकी नेटवर्थ में 36.7 अरब डॉलर की तेजी आई है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस (269 अरब), सर्गेई ब्रिन (266 अरब), मार्क जकरबर्ग (239 अरब), लैरी एलिसन (230 अरब), माइकल डेल (.170 अरब), जेंसन हुआंग (.164 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट (.164 अरब) और जिम वॉल्टन (.150 अरब) भी टॉप 10 में शामिल हैं।

10% का इजाफा हुआ फ्रेंच ओपन की इनामी राशि में

7 करोड़ 21 लाख डॉलर मिलेंगे फ्रेंच ओपन विजेता को

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जिससे कुल इनामी राशि छह करोड़ 17 लाख यूरो (सात करोड़ 21 लाख डॉलर) हो गई है। यह कुल राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। प्रतियोगिता 24 मई को पश्चिमी पेरिस के रोलां गैरो में शुरू होगी।पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उप विजेता को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को सात लाख 50 हजार यूरो और पहले दौरे में हारने वाले खिलाड़ियों को 87 हजार यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल के विजेताओं को छह लाख यूरो और मिश्रित युगल की चैंपियन जोड़ी को एक लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे। पिछले साल कार्लोस अल्कारेज ने पांच सेट के तक चले फाइनल में यानिक सिनर को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता था जबकि कोको गॉफ ने एरिना सबालेंका को हराकर महिला एकल खिताब अपने नाम किया था।

मेसी कानूनी विवाद में फंसे, दिग्गज फुटबॉलर ने पूरी नहीं की ये शर्त

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी कानूनी विवाद में फंस गए हैं। मियामी की इवेंट कंपनी वीआईडी म्यूजिक ग्रुप ने मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मामला पिछले साल अक्तूबर में मियामी के हॉर्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अर्जेंटीना बनाम वेनेजुएला दोस्ताना मैच से जुड़ा है। कंपनी का आरोप है कि मेसी ने इस मैच में खेलने के लिए किए गए लगभग सात मिलियन डॉलर के अनुबंध का उल्लंघन किया। समझौते के तहत उन्हें कम से कम 30 मिनट मैदान पर उतरना था, जब तक कि वे चोटिल न हों। हालांकि, मेसी ने मैच में हिस्सा नहीं लिया और स्टेडियम के एक लग्जरी सुइट से मुकाबला देखा।

भारी आर्थिक नुकसान का दावा

कंपनी का दावा है कि उनकी अनुपस्थिति से टिकट बिक्री, स्पॉन्सरशिप और ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू पर बड़ा असर पड़ा जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। वीआईडी म्यूजिक ग्रुप के वकील राल्फ पैटिनो के अनुसार, मेसी की भागीदारी इस डील की एक अहम शर्त थी और यह सीधे तौर पर मैच की व्यावसायिक सफलता से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के साथ वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ दो मैत्री मैचों के प्रमोशन का करार किया था। दिलचस्प बात यह है कि वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेलने के बावजूद मेसी अगले ही दिन मेजर लीग सॉकर में अपनी टीम इंटर मियामी सीएफ के लिए उतरे और अटलांटा के खिलाफ 4-0 की जीत में दो गोल दागे और प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेले गए दूसरे दोस्ताना मैच में हिस्सा लिया।

रोहित की चोट गंभीर नहीं: कोच जयवर्धने

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहला मैच जीतने के बाद टीम को लगातार चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। टीम के लिए चिंता की बात यह भी है कि उसके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं और वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे।

आरसीबी के खिलाफ चोटिल हुए थे

पंजाब के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हुआ था। इस मैच में हिटमैन दूसरी पारी के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते नजर आए थे और रन-चेज के छठे ओवर में ही उन्हें चोट के कारण अपनी पारी बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बताया था कि पंजाब के खिलाफ रोहित को आराम दिया गया है। उनकी वापसी फिलहाल निश्चित नहीं है। हार्दिक ने कहा था, उन्हें यह देखने में कुछ मैच लगेंगे कि वह फिलहाल किस स्थिति में हैं।

रोहित पर दबाव नहीं डालना चाहता टीम प्रबंधन

अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी रोहित की फिटनेस पर अपडेट दिया है। मुख्य कोच ने कहा कि रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है और टीम प्रबंधन उन्हें ज्यादा दबाव में नहीं रखना चाहता क्योंकि टूर्नामेंट अभी शुरुआती दौर में है। जयवर्धने ने कहा, रोहित ने बुधवार से दौड़ना शुरू कर दिया है, बल्लेबाजी भी की है। हम हर दिन उनकी प्रगति का आकलन कर रहे हैं। उनकी चोट गंभीर नहीं है लेकिन साथ ही, हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते और अभी सत्र की शुरुआत है। जयवर्धने ने इस बात को नकार दिया की टीम की लगातार चौथी हार से कप्तान हार्दिक पांड्या दबाव में हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ हार्दिक की जिम्मेदारी है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, तो यह किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होती, बल्कि यह पता करना मेरी और टीम प्रबंधन में शामिल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है कि हम बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

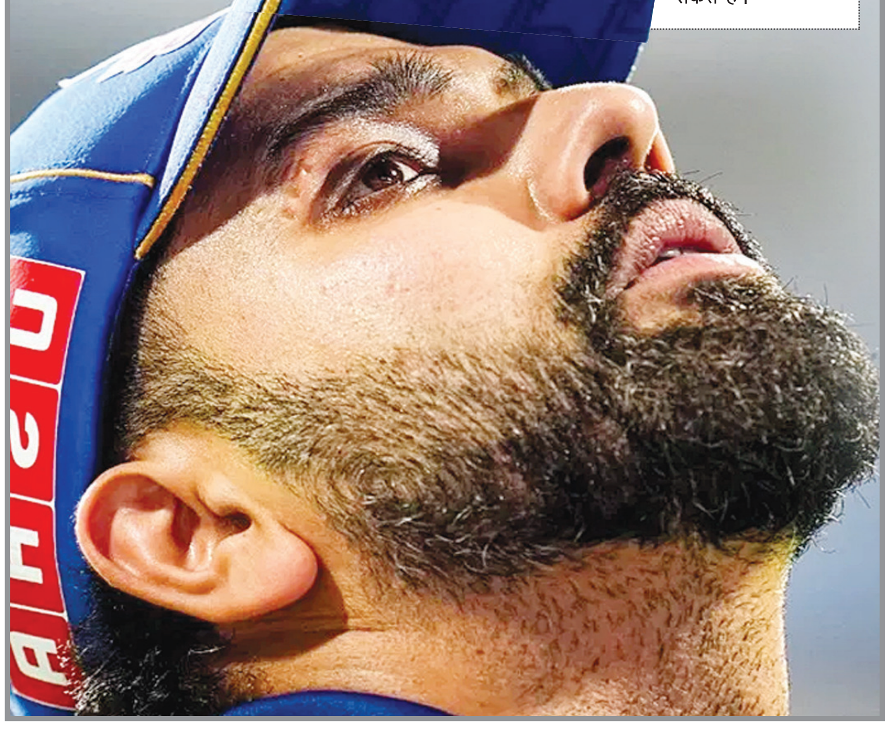

आईपीएल में अबतक दिखा ये ट्रेंड

धीमी गेंदों को हथियार बना रहे गेंदबाज पावरप्ले में अधिक रन बनाने पर ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का पहला चरण शुरू हुए अब समय हो गया है और दो टीमों को छोड़कर अन्य टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए हैं। लीग चरण में 70 मैच खेले जाने हैं और टूर्नामेंट काफी लंबा है। टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें हर पल मैच का रुख बदलता रहता है। आईपीएल 2026 में अब तक 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं और टीमों की रणनीति भी स्पष्ट नजर आ रही है।

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशः आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है।

ये तीन टीमें दिख रहीं मजबूत

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार-चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

सीजन के पहले 25 मैचों में दिखा है ये रुझान

- अब तक खेले गए मैचों में जो ट्रेंड सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि टीमों का ध्यान पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर है तो धीमी पिचों पर गेंदबाजों ने धीमी गेंद को ही अपना हथियार बनाया है।
- पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन की रणनीति ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं।
- मध्य ओवरों में भी टीमें अब पावरप्ले की तरह ही धुआंधार खेल रही हैं।
- पहले चरण में टीमों के 200+ स्कोर बनाने के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।
- तेज गेंदबाज पेस-ऑफ बॉल्स (धीमी गेंद) का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे हैं।
- रन बनाने की तेजी में 7 से 10 ओवरों के बीच ज्यादा विकेट गिर रहे हैं।

निहाल नें जीता मेनोर्का मास्टर्स रैपिड शतरंज का खिताब

मेनोर्का। भारतीय शतरंज ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन नें पाँचवें मेनोर्का मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है , उन्होंने छह खिलाड़ियों के बीच हुए 10 राउंड के दोहरे राउंड रोबिन मुक़ाबले में 6 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया वहीं विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम चार बाज़ियों में 3 हार के चलते 4.5 अंक बनाकर चौंथे स्थान पर रहे । निहाल नें 10 बाज़ियों के दौरान चार बाजियाँ जीती जिसमें उन्होंने गुकेश के ख़िलाफ़ दोनों बाजियाँ जीती जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा के खिलाफ उन्होंने एक एक बाजी जीती , चार बाजियाँ ड्रा रही जबकि दो बाज़ियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा । यूक्रेन के रुसलान पोनोमारियोव और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे , गुकेश नें चौंथे राउंड में हरिकृष्णा , छठे राउंड में डोमिंगेज के खिलाफ जीतकर रफ़्तार पकड़ी थी।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय-रमित और जोशना हुए बाहर

नई दिल्ली। वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। इस भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। हालांकि, चोटरानी के हमवतन और पांचवें वरीयता प्राप्त अभय सिंह और सातवें वरीय रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने

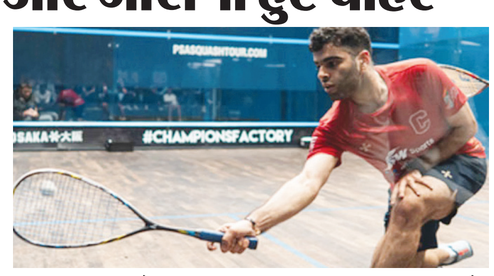

कहा, मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में जो मेरा क्लब है कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।

'टीम इंडिया में जल्द दिखेगा जलवा', वैभव की फैन हुई शेफाली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मशहूर एंकर शेफाली बग्गा ने उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह जल्द ही भारत की टी20 टीम में जगह बना सकते हैं। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है और अब उन्हें टीम इंडिया के संभावित खिलाड़ियों में देखा जा रहा है।

आत्मविश्वास बनाता है खास'

शेफाली बग्गा ने वैभव की बल्लेबाजी शैली की तारीफ करते हुए कहा, 'वह बहुत क्लास के साथ खेलते हैं और गेंदबाजों पर हावी रहते हैं। हमने पिछले साल देखा कि उन्होंने शतक बनाकर सभी को प्रभावित किया।' उन्होंने यह भी बताया कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव बड़े गेंदबाजों का सामना कर रहे हैं, वह उनकी खासियत को दर्शाता है।

रिकॉर्ड्स से भरा करियर

बिहार से आने वाले वैभव ने बहुत कम उम्र में रणजी डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक जड़ा और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सबसे युवा खिलाड़ी और सबसे युवा शतकवीर बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। साथ ही, अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने फाइनल में 175 रन की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता।

आईपीएल तक का शानदार सफर

वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अंडर-19 स्तर पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। यहां तक कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज के खिलाफ भी बेखौफ बल्लेबाजी की, जो उनके आत्मविश्वास को दिखाता है।

आईपीएल बना प्रतिभाओं का मंच

शेफाली बग्गा ने आईपीएल को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच बताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट लगातार नए सितारों को मौका दे रहा है। उन्होंने आयुष म्हात्रे, प्रफुल्ल हिंगे और प्रियांश आर्या जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट से निकलकर बड़ा मंच हासिल किया।

टी20 टीम में जगह बनाना तय

बग्गा ने दावा करते हुए कहा, 'वैभव सूरयवंशी जैसे कई खिलाड़ी हैं, लेकिन उसे खास बनाता है उसका माइंडसेट। मुझे लगता है कि इतनी कम उम्र में ही वह भारतीय टी20 टीम में जरूर नजर आएगा।'

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

अयोध्या में सुगम और विशिष्ट पास धारकों के लिए सप्त मंडपम के दर्शन का इंतजार बढ़ा

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी मंदिरों में दर्शन शुरू हो गया है। बीते दिनों की इस व्यवस्था में उत्तर के अलग-अलग दो प्रवेश द्वारों तथा रंगमहल बैरियर व राम गुलेला-अमावां राम मंदिर में विशिष्ट एवं सुगम पास धारकों का प्रवेश हो रहा है। सुगम व विशिष्ट पास धारकों के पास के लिए फिलहाल किसी नये साफ्टवेयर का प्रयोग नहीं हो रहा है बल्कि पुराने साफ्टवेयर से पास जारी किया जा रहा है। यही वजह है कि सुगम व विशिष्ट पास पर रामलला व राम परिवार दर्शन ही लिखा जा रहा है। यह अलग बात है कि 13 अप्रैल से सभी मंदिरों में दर्शन खोले जाने के बाद सुगम व विशिष्ट पास धारकों को परकोटे के सभी छह मंदिरों में अतिरिक्त रूप से दर्शन की अनुमति ऐच्छिक रूप से दे दी गयी है। फिर भी इन पास धारकों को शेषावतार, सप्त मंडपम व कुबेर नवरत्न टीला में कुबेरेश्वर महादेव के दर्शन का नाम तो कोई रास्ता निर्धारित किया गया है और न ही उन्हें इन स्थानों पर जाने की इजाजत है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा जिन्हें विशेष अनुमति दी जाती है, उन्हें ट्रस्ट के कार्यकर्ता गोल्फ कार्ट से राम मंदिर

के पश्चिम रास्ते से ले जाकर शेषावतार मंदिर पहुंचाते हैं। पुनः उन्हें पैदल घुमाकर दर्शन कराया जाता है। यह सुविधा सीमित वीवीआईपी के लिए ही है। शेष श्रद्धालु इससे वंचित हैं। खास बात यह है कि सुगम व विशिष्ट दर्शन पास की सुविधा भी आनलाइन है लेकिन यहां पास की संख्या काफी कम है जिसके कारण अधिकांश पास रेफरल होते हैं। जो कि ट्रस्ट के किसी पदाधिकारी की संस्तुति पर ही बनाए जा सकते हैं क्योंकि इन सभी रेफरल पास पर संस्तुति करने वाले पदाधिकारी के आईडी का विशेष कोड अंकित किया जाता है। तीर्थ क्षेत्र ने सामान्य दर्शन पास धारकों को आद्य गुरु रामानंदाचार्य प्रवेश द्वार से इंट्री के बाद बैगेज स्कैनर तक वीआईपी रास्ते का प्रयोग करने की अनुमति है। पुनः वह सभी आम श्रद्धालुओं के दर्शन मार्ग से ही रामलला का दर्शन करते हैं। यहां से दक्षिण द्वार से उन्हें अपर प्लिंथ पर लाकर दक्षिणी तरफ बनाई गयी सीढ़ियों से राम परिवार का दर्शन कराया जाता है। इसके बाद उनकी वापसी भी आम श्रद्धालुओं के निर्धारित मार्ग से होती है। परकोटे के बाहर आने पर पास धारकों को दाहिने रास्ते से शेषावतार मंदिर व सप्त मंडपम समेत कुबेर नवरत्न टीला पर स्थित कुबेरेश्वर महादेव के दर्शन करने की अनुमति दी जाती है।

तमिलनाडु चुनाव 2026 के बीच जब्ती 800 करोड़ के पार, 2021 के मुकाबले लगभग दोगुनी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में चल रहे चुनावी माहौल के अब तक करीब 800 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती सामान और अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले लगभग दोगुना है। चुनाव विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 2021 के चुनाव में 446.28 करोड़ रुपए के उपहार और कीमती धातुएं बिना वैध दस्तावेज के जब्त की गई थीं। इसके अलावा 236.70 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी पकड़ी गई थी। खास बात यह रही कि जब्त किए गए सामान में से

50 प्रतिशत से ज्यादा बाद में सही दस्तावेज दिखाने पर लोगों को वापस लौटा दिए गए थे। उस समय कुल जब्ती में केवल सोने की हिस्सेदारी ही 173.19 करोड़ रुपए की थी। वहीं, इस बार स्थिति और ज्यादा सख्त नजर आ रही है। बुधवार तक करीब 800 करोड़ रुपए की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, आभूषण, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। अब तक 126.64 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी जब्त की गई है, जिसके पास वैध कागजात नहीं थे। यह पूरी कार्रवाई राज्यभर में तैनात फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

पश्चिम एशिया युद्ध की आंच गाजियाबाद तक... 195 सड़कों का काम प्रभावित

गाजियाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया युद्ध की आंच में नगर निगम और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 195 सड़कों का काम प्रभावित हुआ है। नगर निगम का कहना है कि तारकोल (बिटुमिन) मिलना मुश्किल हो गया है। जो मिल रहा है वह महंगा है। कई सड़कों पर गड्ढों की वजह से परेशानी हो रही है। नगर निगम ने जब्त की गई पालिथीन से सड़कों पर पेंच वर्क करने की योजना बना रहा है। जिससे लोगों गड्ढामुक्त सड़कें मिल सकें। हालांकि इससे अभी सड़कों को बनाना संभव नहीं है। नगर निगम ने 85 सड़कों पर काम कराने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इन सड़कों की लंबाई लगभग 112 किलोमीटर है। इनमें सड़कों को गड्ढामुक्त, चौड़ीकरण और नये सिरे से बनाने का काम शामिल है। ठेकेदारों को पता नहीं था कि युद्ध की आंच सड़कों के निर्माण कार्य पर भी आ जाएगी। ऐसे में युद्ध शुरू होने के दौरान भी कई ठेकेदारों ने निगम से टेंडर ले लिए थे।

मासूमों की मौत पर दहला मणिपुर! हाथों में मशालें लिए सड़कों पर उतरे हजारों लोग, तीखी झड़प

रैली की शुरुआत और मुख्य मांगें

इंफाल , एजेंसी। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में हुए बम हमले के विरोध में हजारों लोगों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए एक विशाल मशाल रैली निकाली। इस बम विस्फोट में दो बच्चों की जान चली गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इस विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली।

गुरुवार शाम करीब 7 बजे सिंगजामेई इलाके से हजारों की संख्या में लोगों ने हाथों में मशालें लेकर अपना मार्च शुरू किया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंग्लाओबी में हुए बम ब्लास्ट के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और वहां तैनात जवानों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार भी किया। लगभग 2 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह रैली चिंगमथाक पहुंची, जो मुख्यमंत्री आवास, पुलिस मुख्यालय और लोक भवन से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है। चूंकि इलाके में निषेधाज्ञा लागू थी, इसलिए वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को वापस लौटने के लिए कहा। हालांकि, भारी भीड़ के आगे सुरक्षा बल संख्या में काफी कम थे, जिसके चलते दोनों पक्षों में टकराव शुरू हो गया। जैसे ही स्थिति तनावपूर्ण हुई, सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले दागे और लाठीचार्ज का सहारा लिया। इसके जवाब में कुछ युवाओं ने सुरक्षा बलों पर कथित तौर पर पथराव किया, जिससे हालात और ज्यादा बिगड़ गए। इस हिंसक झड़प में कई लोगों के घायल होने की खबर है। आंसू गैस के धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ और मामूली चोटों के चलते कम से कम पांच लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना पर एक अधिकारी ने बयान देते हुए कहा कि कुछ तत्व राज्य की मौजूदा स्थिति का फायदा उठाकर सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ अपना एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं। आपको बता दें कि त्रोंग्लाओबी बम हमले के बाद भड़की हिंसा के मद्देनजर इलाके में पहले से ही सख्त पाबंदियां लागू हैं। शाम 5 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक लोगों के घरों से बाहर निकलने पर पूरी तरह से रोक (कर्फ्यू) जारी है। इस बीच मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गोलीबारी की घटना में शामिल होने के आरोप में सुरक्षा बलों ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

सपा सरकार ने पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ नहीं दिया

महिला आरक्षण पर बीएसपी चीफ मायावती ने कांग्रेस और सपा पर जमकर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी। महिला आरक्षण अधिनियम लागू होने के बाद सियासत तेज हो गई है। इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबा पोस्ट लिखकर भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस को 'गिरगिट' तक करार देते हुए उस पर दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के मुद्दों पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। मायावती ने कहा कि देश के एससी, एसटी, ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड भरोसेमंद नहीं रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तब इन वर्गों को आरक्षण का पूरा लाभ दिलाने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई। आज महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस इन वर्गों की बात कर रही है, लेकिन यह उसकी राजनीतिक मजबूरी है।

उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी समाज को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 27 प्रतिशत आरक्षण वीपी सिंह की सरकार में लागू हुआ, जो बसपा के प्रयासों का परिणाम था। मायावती ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 1994 में पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट आने के बावजूद सपा सरकार ने पिछड़े

मुस्लिमों को इसका का लाभ देने का निर्णय लागू नहीं किया था। बाद में बसपा सरकार बनने पर इसे लागू किया गया।

सपा पर दोहरी राजनीति का आरोप

समाजवादी पार्टी पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी सत्ता में रहते हुए अलग और विपक्ष में रहते हुए अलग रवैया अपनाती है। उन्होंने इसे 'दोहरे चरित्र' की राजनीति बताते हुए जनता को ऐसी पार्टियों से सावधान रहने की सलाह दी। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन को लेकर मायावती ने कहा कि यदि इसे जल्द लागू करना है तो 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वर्तमान में कांग्रेस सत्ता में होती तो वह भी भारतीय जनता पार्टी की तरह ही निर्णय लेती।

किसी के बहकावे में न आए बहुजन समाज-मायावती

अंत में मायावती ने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी राजनीतिक दल पूरी तरह गंभीर नहीं रहा है। ऐसे में इन वर्गों को महिला आरक्षण के तहत जो लाभ मिल रहा है, उसे फिलहाल स्वीकार करना चाहिए और किसी के बहकावे में आने से बचना चाहिए। उन्होंने समाज को आत्मनिर्भर और मजबूत बनने की सलाह भी दी।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में बड़ा फर्जीवाड़ा, चोरी पकड़ने वाले जेई को गंवानी पड़ी थी नौकरी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में चल रहे फीस धांधली, प्रोफेसर व

कर्मचारियों की नियुक्ति के मामले में रोजाना नए-नए फर्जीवाड़े सामने आ रहे हैं। एक ऐसा मामले सामने है जिसमें सूत्रों ने बताया कि चोरी पकड़वाने वाले इलेक्ट्रिशियन जेई को ही विश्वविद्यालय प्रशासन के दबाव में नौकरी छोड़नी पड़ गई थी और उसे दो साल बाद वेतन मिल पाया था। वहीं चोरी के मामले में आरोपित को प्रमोशन दे दिया गया था। बता दें कि जीबीयू के कुलपति रहे प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा के कार्यकाल में इलेक्ट्रिशियन जेई रहे कर्मचारी ने बताया कि उनके अंडर में पिंटू सेंगर नाम का एक कर्मचारी काम करता था, जिसने रविवार के दिन विभाग से स्क्रैप में बैट्री, तार के अलावा अन्य सामान बेच दिए थे। मामले की जानकारी उन्हें सोमवार को हुई तो उन्होंने उसकी जानकारी कुलपति प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा और कुलसचिव रहे डा. विश्वास त्रिपाठी से शिकायत की। शिकायत के बाद माल भी बरामद किया गया, लेकिन पिंटू सेंगर के खिलाफ उस वक्त कोई कार्रवाई किए जाने की बजाय उनके ऊपर ही उल्टा दबाव बनाया गया और उनको संविदा से आउटसोर्सिंग से कर दिया गया। वहीं पिंटू सेंगर को आउटसोर्सिंग से प्रमोशन देकर संविदा से कर दिया गया। उनके ऊपर विश्वविद्यालय प्रबंधन से काफी दबाव बनाया जाने लगा और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। इससे उन्होंने परेशान आकर नौकरी छोड़ दी थी। इस दौरान उन्हें वेतन भी नहीं मिला। काफी प्रयासों के बाद उनको दो वर्ष बाद वेतन मिल पाया था। सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब दो वर्ष बाद एक दूसरे मामले में पकड़े जाने पर नौकरी से बाहर कर दिया गया था।

60 करोड़ से बदलेगी नूंह की सूरत, 4 परियोजनाओं के लिए बजट मंजूर

नूंह , एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले को अब विकास के पंख लगेंगे। जिले की चार विकास परियोजनाओं के लिए बजट मंजूर किया गया है। करीब 60 करोड़ रुपये की लागत से ये योजनाएं लागू होंगी। इनमें स्टेडियम निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में जिन योजनाओं को स्वीकृति मिली है, उनमें एक भव्य सभागार और संग्रहालय परिसर का निर्माण प्रमुख है। यह परिसर पुराने कार्यालयों वाली सड़क पर विकसित किया जाएगा, जिससे सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को एक आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी।

खेल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए पलवल टी-पॉइंट के पास मेवात मॉडल स्कूल के नजदीक

उपलब्ध भूमि पर स्टेडियम बनाया जाएगा। इससे युवाओं को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। शहर की सड़कों के सौंदर्यीकरण के तहत पलवल टी-पॉइंट से झंडा चौक तक बीच की पट्टी को विकसित किया जाएगा।

नगर परिषद कार्यालय भवन के विस्तार की योजना भी शामिल है। मौजूदा भवन के साथ नई इमारत बनाई जाएगी, जिससे प्रशासनिक कामकाज को अधिक सुचारु ढंग से संचालित किया जा सकेगा और लोगों को सेवाएं आसानी से मिलेंगी। नगर परिषद ने शहर में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई योजना लागू करनी शुरू कर दी है। नई योजना के तहत अब विकास कार्यों के दौरान सड़कों को पक्का करने या दोबारा कंक्रीट डालने के साथ-साथ बरसाती पानी की निकासी के लिए अलग से लाइन बिछाई जा रही है।

यह लाइन सीवर सिस्टम की तर्ज पर गटर के रूप में तैयार की जा रही है, जिससे बारिश के पानी के साथ बहकर आने वाला कूड़ा-कचरा भी आसानी से निकल सके।

बंधवाड़ी लैंडफिल में 28 घंटे बाद भी नहीं बुझी आग, कई जगहों से अभी भी धुआं निकल रहा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी लैंडफिल में लगी आग 28 घंटे बाद भी पूरी तरह नहीं बुझ सकी। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे कूड़े के ढेरों में लगी आग पर बृहस्पतिवार शाम सात बजे तक करीब 80 प्रतिशत काबू पा लिया गया, लेकिन कई स्थानों से धुआं लगातार सुलगता रहा। आग की तीव्रता भले कम हुई हो, लेकिन प्रदूषण और स्वास्थ्य पर खतरा बरकरार है। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की करीब दस गाड़ियां दिन-रात मौके पर डटी रहीं और लगातार पानी का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही कूड़े के ढेरों को हटाने और अंदर सुलग रही आग तक पहुंचने के लिए भारी मशीनों का भी इस्तेमाल किया गया। नगर निगम के एक्सईएन संदीप सिहाग ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है, लेकिन जहां-जहां धुआं निकल रहा है, उसे पूरी तरह खत्म करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि कचरा निस्तारण कर रही एजेंसियों को टेंडर शर्तों के अनुसार आग से बचाव के सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। बंधवाड़ी लैंडफिल लंबे समय से पर्यावरणीय चिंताओं का केंद्र बना हुआ है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नगर निगम पर अब तक 6.3 करोड़ रुपये का पर्यावरण मुआवजा तय किया है।

बापू की कुटी में महामहिम: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेवाग्राम में सूत कातकर दिया आत्मनिर्भरता का संदेश!

वर्धा , एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को वर्धा स्थित ऐतिहासिक सेवाग्राम आश्रम का दौरा किया, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कई वर्षों तक निवास किया था। इस दौरान राष्ट्रपति ने आश्रम की विरासत को करीब से समझा और गांधीवादी मूल्यों को नमन किया। आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति का स्वागत आश्रम प्रतिष्ठान के सचिव विजय तांबे और विश्वस्त चंदनपाल द्वारा किया गया।

इसके बाद उन्होंने आश्रम परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले बापू के प्रारंभिक निवास स्थान 'आदि निवास' का दौरा किया, जो अब ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षित है। इसके साथ ही उन्होंने 'बापू कुटी' का भी निरीक्षण किया, जहां महात्मा गांधी लंबे समय तक रहे।

राष्ट्रपति ने 'बा निवास' का भी दौरा किया, जो कस्तूरबा गांधी का निवास स्थान रहा है। इसके अलावा उन्होंने बापू के तत्कालीन कार्यालय का निरीक्षण कर वहां से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की। आश्रम प्रतिष्ठान के सचिव विजय तांबे ने उन्हें बापू के जीवन और उनसे जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने आश्रम में आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लिया और

शांति, सत्य तथा अहिंसा के संदेश को आत्मसात किया। उन्होंने स्वयं चरखे पर बैठकर सूत कताई भी की, जो गांधीजी के स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के विचारों का प्रतीक है।

इस दौरान राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, राज्यमंत्री व पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी वान्मथी सी., विशेष पुलिस महानिरीक्षक संदीप पाटिल, जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग सोमण, पुलिस अधीक्षक सौरभकुमार अग्रवाल तथा आश्रम प्रतिष्ठान के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आश्रम भ्रमण के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बापू कुटी परिसर में बेल प्रजाति के वृक्ष का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह दौरा न केवल ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि गांधीवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का भी एक सशक्त संदेश देता है।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित बनाने में योगदान दें। राष्ट्रपति वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा उपस्थित थीं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वर्धा वह ऐतिहासिक भूमि है, जहां महात्मा गांधी ने निवास किया और विकसित भारत का सपना देखा। उस सपने को साकार करने में आज के विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ट्रेंकुलाइज के 20 दिन बाद ही फरार हुआ चीता; मध्यप्रदेश से चंबल पार कर पहुंचा राजस्थान

जयपुर, एजेंसी। जंगल का ये मेहमान अब राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच जैसे अपना रास्ता तय कर चुका है। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकला चीता केपी-2 एक बार फिर चंबल नदी पार कर राजस्थान की सीमा में दाखिल हो गया। गुरुवार सुबह कोटा जिले के पालीघाट क्षेत्र के अजीतपुरा गांव में जब लोग नींद से जाग रहे थे, तब गांव की सड़कों पर एक चीता आराम से टहलता नजर आया।

गांववालों के लिए ये नजारा हैरान करने वाला था- सड़क पर बिना किसी जल्दबाजी के घूमता चीता, जैसे किसी शहरी इलाके का निरीक्षण कर रहा हो। कुछ देर बाद वह खेतों की ओर निकल गया और फिर नजरों से ओझल हो गया। चीते के गांव में आने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें तुरंत हरकत में आ गईं। सुबह करीब 5 बजे से ही पालीघाट और फलौदी रेंज की टीमें मौके पर पहुंचकर उसकी मॉनिटरिंग में जुट गईं।

रणथम्भौर क्षेत्र के अधिकारियों ने तुरंत रणथम्भौर टाइगर रिजर्व प्रशासन को अलर्ट किया और साथ ही कूनो नेशनल पार्क की टीम को भी सूचना दी।

कूनो से विशेष टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है और जीपीएस व अन्य तकनीकों की मदद से चीते की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश जारी है। फिलहाल चीता खेतों और झाड़ियों के बीच मूवमेंट करता हुआ देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात यह चीता चंबल नदी पार कर पहले कोटा जिले की सीमा में आया। लेकिन यहीं नहीं रुका-रात के अंधेरे में उसने फिर से चंबल पार की और सवाई माधोपुर जिले की तरफ बढ़ गया। वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यह मूवमेंट चीते के

प्राकृतिक व्यवहार का हिस्सा है, जहां वह नए इलाकों की तलाश में लंबी दूरी तय करता है। लेकिन बार-बार आबादी वाले क्षेत्रों में आना चिंता का विषय बनता जा रहा है। यह वही चीता केपी-2 है, जिसे 27 मार्च को कोटा जिले के पीपल्दा समेल गांव में ट्रेंकुलाइज कर पकड़ा गया था। उस समय भी यह आबादी वाले इलाके में पहुंच गया था, जिसके बाद कूनो नेशनल पार्क की टीम इसे वापस ले गई थी।

लेकिन महज 20 दिन के भीतर ही इसने फिर वही रास्ता पकड़ लिया और राजस्थान लौट आया।